CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-278
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 11 जनवरी 2024

आज का विचार

आज से बेहतर कुछ भी नहीं क्योकिं,कल कभी आता नहीं और आज कभी जाता नहीं।

पेज-4

शिंदे गुट के 16 विधायकों की मान्यता बरकरार

एकनाथ बने रहेंगे मुख्यमंत्री

स्पीकर के फैसले से उद्धव को बड़ा झटका

महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत उनके गुट के 16 विधायकों की सदस्यता बरकरार रखी है। स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। स्पीकर ने उद्धव गुट के 14 विधायकों की सदस्यता भी बरकरार रखी। शिंदे गुट को असली शिवसेना बताए जाने के बाद उद्धव ठाकरे ने कहा कि स्पीकर के फैसले से सुप्रीम कोर्ट की अवमानना हुई है। नतीजा मैच फिक्सिंग ही निकला, इसलिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट उनके खिलाफ खुद संज्ञान लेकर कार्यवाही करे।

उद्धव बोले- शिवसेना कभी शिंदे की नहीं हो सकती

फैसले के बाद उद्धव ने कहा कि खुद दो-तीन पार्टियां बदलने वाले नार्वेकर ने बताया कि पार्टी कैसे बदलनी है। शिवसेना कभी शिंदे की हो नहीं सकती। उनका और शिवसेना का रिश्ता खत्म हुआ है, इसलिए शिवसेना हमारी है।शिवसेना की टूट के 18 महीने और 18 दिन बाद फैसला शिवसेना में टूट 20 जून 2022 को हुई थी। स्पीकर ने फैसला 10 जनवरी 2024 को सुनाया। यानी विवाद शुरू होने के 18 दिन और 18 महीने बाद इस केस में फैसला आया। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार शाम 5.11 से 6.57 तक कुल 106 मिनट (1 घंटा 46 मिनट) में 1200 पेज के फैसले से चुनिंदा अंश पढ़े। सुप्रीम कोर्ट ने 14 दिसंबर को फैसला लेने की मियाद तय की सुप्रीम कोर्ट ने 14 दिसंबर 2023 को इस मामले में आखिरी सुनवाई की थी। तब स्पीकर के लिए फैसला लेने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर से बढ़ाकर 10 जनवरी कर दी थी। यानी सुप्रीम कोर्ट में आखिरी सुनवाई के 28वें दिन स्पीकर ने अपना फैसला सुनाया।

कारसेवकों पर गोली चलाने वाले आ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नहीं राम मंदिर समारोह का निमंत्रण ठुकराने पर भड़की बीजेपी

जनता कर रही कांग्रेस का बहिष्कार: भाजपा

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेताओं के शामिल न होने पर भाजपा ने नाराजगी जाहिर की है। आज भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, आपको (कांग्रेस) राम मंदिर उद्घाटन में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया, लेकिन चंद कट्टरपंथी वोटों के लिए आपने निमंत्रण ठुकरा दिया।

कांग्रेस ने हिंदू धर्म के विरोध दर्शाया है- भाजपा नेता- भाजपा नेता ने आगे कहा, आप अपने को बदलकर दिखा सकते थे, आपने ऐसा नहीं किया। यह नेहरू का कांग्रेस है। यह महात्मा गांधी का कांग्रेस नहीं है। गांधी की समाधि पर लिखा है हे राम। इन्होंने इस अवसर को अपने हाथ से गंवाया है। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि कांग्रेस ने हिंदू धर्म के विरोध दर्शाया है। चंद कट्टरपंथी विचारधारा वोटों की वजह से कांग्रेस ने यह फैसला लिया है।राम नाम कड़वा लगे और प्यारा लगे राम तो। दुविधा में दोनो गए, माया मिली न राम। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा,कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। कांग्रेस ने जी20 शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया। 2004 के बाद 2009 तक, कांग्रेस ने कारगिल विजय दिवस का बहिष्कार किया। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के नेतृत्व में मई 1998 में किए गए पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कांग्रेस ने 10 दिनों तक कोई बयान नहीं दिया। कांग्रेस ने अपनी पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के भारत रत्न समारोह का भी बहिष्कार किया था। जनता भी उनका सत्ता से बहिष्कार कर रही है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि उन लोगों को निमंत्रण भेजा गया, जिन लोगों ने कारसेवकों और रामभक्तों पर गोलियां चलाई थी। वो लोग भी इस समारोह में शामिल होंगे, लेकिन कांग्रेस इस समारोह में नहीं आएगी।

शिवसेना (यूबीटी) भी कर चुकी मना

शिवसेना (यूबीटी) भी राम मंदिर समारोह में शामिल न होने की बात कह चुका है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि पार्टी का कोई भी नेता इसमें शामिल नहीं होगा। राउत ने कहा कि ये भाजपा का कार्यक्रम है और इसमें हमारा कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं होगा।

सीपीएम और ममता की पार्टी ने भी किया किनारा

सीपीएम ने भी राम मंदिर कार्यक्रम से किनारा किया है। सीपीएम नेता वृंदा करात और सीताराम येचुरी ने इसे एक धर्म को बढ़ावा देने का कार्यक्रम बताया है। वहीं, ममता बनर्जी का इस समारोह में शामिल होना भी मुश्किल लग रहा है। इसको लेकर वो अपनी पार्टी के नेताओं को संकेत भी दे चुकी हैं।

अखिलेश ने दिया ये बयान

अखिलेश भी इस कार्यक्रम में शामिल होते नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, विश्व हिंदू परिषद की तरफ से आलोक कुमार अखिलेश को निमंत्रण देने गए थे, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया और कहा कि हम जिसे जानते नहीं उससे निमंत्रण नहीं लेते। हालांकि, अखिलेश ने आगे कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम आ रहे हैं और जब वो बुलाएंगे हम जाएंगे।

इंदौर-सूरत देश के सबसे स्वच्छ शहर

राज्यों में महाराष्ट्र नंबर वन, गंगा किनारे बसे क्लीनेस्ट

सिटी में वाराणसी पहले, प्रयागराज दूसरे स्थान पर

सिटी चीफ.. केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। मध्य प्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया।

शहरों से खत्म हो रहे डंपिंग ग्राउंड- द्रोपदी मुर्मु

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने इस अवसर कहा कि अर्बन में स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मैं हरदीप सिंह पुरीजी को बधाई देती हूं। हर साल एक विषय दिया जाता है। इससे स्वच्छता को बल मिला है। कूड़ा-कचरे को कंचन में बदलना है। सभी स्वच्छता में आगे बढ़ रहा है। हमारे सफाईमित्रों ने इसमें सबसे बड़ा योगदान दिया है। स्वच्छता से संपन्नता की ओर बढ़ रहे हैं। इससे महिलाएं को भी आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है। सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंति से एक दिन पहले एक दिन, एक तारीख, एक घंटा अभियान के जरिये स्वच्छता को सफल बनाया और उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी इसमें योगदान रहे हैं। मैं सभी सफाईकर्मियों को देश की ओर से धन्यवाद देती हूं। उन्होंने कहा कि रिसाइकल और रियूज की प्रणाली भी सफल हो रही है। वेस्ट मैनेजमेंट की दिशा में जीरो वेस्ट की ओर बढ़ रहे हैं। ग्रीन वेस्ट से बायोगैस बनाने का काम प्रगति पर है। कभी शहरी जमीन कूड़े के पहाड़ बने थे, लेकिन स्वच्छता अभियान के तहत अब ऐसे डंपिग ग्राउंड खत्म हो रहे हैं।

स्वच्छता केवल आदत नहीं है, यह एक आंदोलन- हरदीप सिंह पुरी

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 तक भारत को स्वच्छ बनाने की मांग की थी और खुले में शौच जाने को खत्म करने का बिड़ा उठाया था। उन्होंने कहा था कि महात्मा गांधी को स्वच्छ भारत से बेहतर तोहफा कैसे होगा। यह मिशन एक आंदोलन बन गया। इसमें सभी ने श्रमदान किया। यह अब अभिन्न अंग बन गया है। सख्त प्रक्रिया है। 2016 में यह सर्वेक्षण शुरू हुआ जो अब सबसे बड़ा सर्वेक्षण बन गया है। लगभग सभी शहरों और गांवों में बड़ी संख्या में सार्वजनिक शौचालय बनाए गए हैं। 2014 में 14 से 15 प्रतिशत कचरे की प्रोसेसिंग होती थी, लेकिन अब 75 से 76 प्रतिशत तक कचरा प्रोसेस होता है। स्वच्छता केवल आदत नहीं है, यह एक आंदोलन। एक अगली पीढ़ी भी इस आंदोलन में भाग ले रही है। ओडिशा के सैंड आर्ट कलाकार सुदर्शन पटनायक ने कार्यक्रम की शुरुआत भारत में स्वच्छता की शुरुआत को अपनी कला से दर्शाया। बालीवुड के ख्यात गायक कैलाश खेर ने स्वच्छता एंथेम की प्रस्तुति दी।

2022 के सर्वे में मध्य प्रदेश सबसे साफ स्टेट था

2022 में राजस्थान-महाराष्ट्र को पछाड़ कर मध्यप्रदेश देश का सबसे स्वच्छ राज्य बन गया था। 100 से अधिक शहरों वाले राज्य में मध्यप्रदेश नंबर-1 पर आया था। वहीं, इंदौर ने सफाई का सिक्सर लगाया था। भोपाल भी सातवें से छठवें रैंकिंग पर आ गया था। 2017 और 18 में भोपाल देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर था। वर्ष 2016 में सिर्फ 73 शहर थे। तब भी इंदौर नंबर-1 पर रहा था। अब 4355 शहर इस दौड़ में शामिल थे। फिर भी इंदौर ने नंबर-1 का तमगा हासिल किया। इंदौर वर्ष 2017 से ही देशभर में नंबर-1 पर आ रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में मध्यप्रदेश को कुल 27 सम्मान मिले थे। इसमें 18 शहर स्टार रेटिंग और 9 शहर स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए थे। वहीं, 2021 के सर्वेक्षण में कुल 35 अवॉर्ड मिले थे।

नई टीम, नई चुनौती, नवाचार फिर भी नंबर वन हमारा इंदौर - महापौर पुष्यमित्र भार्गव

इंदौर। नई टीम, नई चुनौती, नवाचार फिर भी नंबर वन हमारा इंदौर स्वच्छ सर्वेक्षण में इंदौर के सामने इस बार कुछ अलग तरह की चुनौतियां थीं। सबसे पहली तो थी स्वच्छता में सिरमौर बने रहना। इस ताज को बनाए रखना। हम लगातार छह वर्षों से सर्वेक्षण में पहले नंबर पर आ रहे थे। देशभर में पहले नंबर पर आना बहुत मुश्किल नहीं, लेकिन इस स्थान पर लगातार बने रहना बहुत मुश्किल होता है। यह बात इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौर के सातवीं बार नंबर वन आने पर कही।इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि खुशी की बात यह है कि इंदौर ने इस मुश्किल को पार कर लिया। दूसरी चुनौती थी सर्वेक्षण के समय शहर की स्वच्छता को बनाए रखना। यह पहला मौका था जब सर्वेक्षण वर्षाकाल में हुआ। ऐसे में स्वच्छता का मापदंडों पर खरा उतरना आसान नहीं था, लेकिन सफाई मित्रों के अथक प्रयासों से यह संभव हो सका। हमारे सामने तीसरी बड़ी चुनौती थी नई टीम के साथ नई चुनौतियों को स्वीकारना।नगर निगम में बदलाव के बाद अधिकारियों की लगभग पूरी टीम बदल गई थीं। नई टीम के साथ इंदौर की स्वच्छता की सफाई की परंपरा का निर्वाहन आसान नहीं था, लेकिन आपसी समन्वय की वजह से हम हमारी परंपरा का निर्वाहन करने में सफल रहे। आज इंदौर ने स्वच्छता का सातवां आसमान छुआ है तो यह टीम वर्क का ही परिणाम है। जनभागीदारी, आपसी समन्वय और एक-दूसरे की मदद का जज्बा ये कुछ ऐसी बातें हैं जो इंदौरियों की पहचान बन चुकी हैं।

माइक्रो प्लानिंग और आपसी समन्वय से मिली सफलता- हर्षिका सिंह

इंदौर। माइक्रो प्लानिंग और आपसी समन्वय से मिली सफलता हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती इंदौर के गौरव को बनाए रखना थी। इस वर्ष निगम की लगभग पूरी टीम नई थी। ऐसे में अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करना भी एक अलग ही चुनौती थी। हमने लगातार बैठकें की और अधिकारियों को सर्वेक्षण टीम की अपेक्षाओं के बारे में जानकारी दी। हम सभी ने सर्वेक्षण की टूल कीट के मुताबिक काम किया। यह बात इंदौर निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने इंदौर के सातवीं बार स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान पर रहने के बाद कही।इंदौर की निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने कहा कि माइक्रो मानिटरिंग और अधिकारियों के बेहतर आपसी समन्वय से यह सफलता मिली है। हमने अपर आयुक्तों के बीच इस तरह से कार्यविभाजन किया कि किसी ने सीटीपीटी का काम देखा तो किसी ने सड़कों की सफाई की जिम्मेदारी संभाली। किसी ने शौचालयों में पानी की व्यवस्था देखी तो किसी ने डस्टबीन की। हमने हर क्षेत्र में ध्यान दिया। हमने रोजाना के लक्ष्य तय किए। जनभागीदारी का भी बड़ा सहयोग रहा। हमने बड़ी मात्रा में सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त किया और इसे प्रोसेस किया। इससे ईपीआर क्रेडिट प्राप्त हुआ। हमने प्रत्येक वार्ड में थ्री-आर सेंटर बनाए। ई-वेस्ट कलेक्शन और सेग्रीगेशन पर काम किया।

सिंगल कॉलम

पति-पत्नी आपसी सहमति से तलाक लेना चाहते हैं तो उनका कम से कम छह माह से अलग रहना जरूरी

पति-पत्नी अगर आपसी सहमति से तलाक लेना चाहते हैं तो हिंदू विवाह अधिनियम 1956 के प्रविधानों के तहत यह जरूरी है कि उनकी शादी को कम से कम एक वर्ष पूरा हो गया हो और वे कम से कम छह माह से अलग-अलग रह रहे हों। आपसी सहमति से तलाक लेने के लिए पति-पत्नी दोनों को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 ख के तहत एक साथ न्यायालय में आवेदन देना होता है।एडवोकेट सिद्धार्थ सिसोदिया ने बताया कि शादी को अगर एक वर्ष पूरा नहीं हुआ है तो आपसी सहमति से तलाक का आवेदन प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। यह बात भी ध्यान रखें कि आपसी सहमति से तलाक का आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद पति-पत्नी दोनों को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना पड़ता है। आवेदन के साथ पति-पत्नी के पृथक-पृथक शपथ पत्र, विवाह पत्रिका, फोटोग्राफ आदि संलग्न करना होता है। आवेदन पत्र 100 रुपये के न्याय शुल्क पर प्रस्तुत कर सकते हैं। आपसी सहमति से तलाक लेने के लिए प्रस्तुत आवेदन में इस बात का उल्लेख जरूर किया जाना चाहिए कि पति-पत्नी आपसी सहमति से तलाक आखिर क्यों लेना चाहते हैं और उनके बीच कोई विवाद नहीं है। आपसी सहमति से तलाक का आवेदन जहां विवाह हुआ वहां, जहां रहते हुए पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ वहां और जहां उन्होंने अलग-अलग रहना शुरू किया हो या जहां पत्नी अपने माता-पिता के साथ रह रही हो उस न्यायालय के क्षेत्राधिकार में प्रस्तुत कर सकते हैं। भरण पोषण की राशि को भी ध्यान में रखा जाता है आपसी सहमति से तलाक लेने के लिए प्रस्तुत आवेदन के निराकरण में न्यायलय भरण पोषण की राशि देने के संबंध में पति-पत्नी के बीच हुए समझौते को भी ध्यान में रखता है। कई मामलों में पति भरण पोषण की एक मुश्त राशि आवेदन के साथ ही पत्नी को दे देता है। अगर ऐसा नहीं किया गया है तो प्रतिमाह भरण पोषण की राशि तय की जाती है। प्रविधान यह है कि पत्नी को विवाह विच्छेद के पश्चात भरण पोषण की राशि तब तक ही मिलती है जब तक की वह दूसरा विवाह न कर ले या नौकरी, व्यवसाय से अपने भरण पोषण के लिए पर्याप्त आय न अर्जित करने लगे। आपसी सहमति से होने वाले तलाक के समझोते में इस विवाह से उत्पन्न संतान का पालन पोषण के संबंध में भी स्पष्ट निर्देश होते हैं कि पति-पत्नी में से संतान की देखभाल कौन करेगा। कुछ समय पहले तक यह नियम था कि आपसी सहमति का आवेदन प्रस्तुत होने के बाद कोर्ट छह माह कूलिंग पीरियड के रूप में देती थी ताकि पति-पत्नी अगर विवाद के बाद भी साथ रहना चाहे तो परिवार टूटने से बच सके, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशानुसार आपसी सहमति से तलाक के लिए प्रस्तुत आवेदन के निराकरण में कुलिंग पीरियड की आवश्यकता नहीं रहती है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि जहां पति-पत्नी के बीच समझौते की कोई संभावना नहीं हो वहां विचारण न्यायालय स्वविवेक से 6 माह के कुलिंग पीरियड की अवधि को समाप्त कर सकता है।

पीएम नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद इंदौर में भक्त श्रमदान कर संवारेंगे देवस्थल

हर तरफ 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली रामलला की प्रतिष्ठा का उल्लास है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 से 21 जनवरी तक मंदिरों में सफाई अभियान चलाए जाने की अपील की है। पीएम की अपील को असर शहर के मठ-मंदिरों में नजर आने लगा है। मठ-मंदिर प्रमुखों ने आयोजन से पहले एक दिन भक्तों के साथ मिलकर सफाई करना तय किया है। इसके लिए चर्चा का दौर शुरू हो चुका है।एरोड्रम रोड स्थित श्रीविद्याधाम पर 20 से 22 जनवरी तक तीन दिवसीय उत्सव का आयोजन महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सान्निध्य में होगा। इस दौरान अखंड रामायण पाठ के साथ ही हनुमान चालीसा के 1100 सामूहिक पाठ भी किये जाएंगे। न्यासी दिनेश शर्मा ने बताया कि परिसर के सभी मंदिर को संवारकर उन्हें स्वच्छ किया जाएगा। इसके बाद मनोहारी पुष्प शृंगार तथा विद्युत सज्जा की जाएगी।

11 जुलाई को तैयार हो गई थी रिपोर्ट, अब तक क्या किया, गिरफ्तार क्यों नहीं किया

बेलेश्वर महादेव मंदिर बावड़ी हादसे को लेकर हाई कोर्ट में चल रही जनहित याचिकाओं में बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने नगर निगम और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रियल जांच 11 जुलाई 2023 को सबमिट हो चुकी थी। अब तक क्या कार्रवाई की गई।नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई पर आपत्ति लेते हुए कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि वह बताए कि मामले में जिनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की है, उनकी गिरफ्तारी कर अभी तक पूछताछ क्यों नहीं की गई। कोर्ट ने बावड़ी बंद करने पर भी नाराजगी जताई और कहा कि क्या सड़क पर दुर्घटना होने पर सड़क बंद कर दोगे। क्या हाईराइज बिल्डिंग से किसी के कूद जाने पर बिल्डिंग बनना बंद हो जाएगी। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। याचिकाकर्ता महेश गर्ग और प्रमोद द्विवेदी की ओर से एडवोकेट मनीष यादव ने तर्क रखे।

कोहरे के आगोश में इंदौर, ठंडक बढ़ी रात का तापमान 15 डिग्री पर पहुंचा

सिटी चीफ इंदौर।

सर्द हवाएं चलने से मौसम एकदम ठंडक खुल गई है। बादल छाए रहने से धूप नहीं निकल रही है। गुरुवार को पूर्वी-उत्तर पूर्वी दिशा से हवा 11 किमी प्रतिघंटे की दिन निकलते ही दृश्यता सुबह 8 बजे तक तीन हजार पर पहुंच गई। मगर धुंध छाई रही। अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री नीचे दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 15 डिग्री तक रहा। ये सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले तीन से चार दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा। तापमान भी स्थिर रहेगा। रफ्तार चली। दिनभर ठिठुरन भी होने लगी है। बीते 24 घंटों के भीतर रात का तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस नीचे आया है। सुमौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी ने बताया कि हरियाणा पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर आ गया है। वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। उत्तर भारत में न्यूनतम तापमान में गिरावट होने लगी है। इस वजह से वहां से आ रही सर्द हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में भी रात के तापमान में गिरावट होने के आसार हैं। उत्तर-पूर्वी दिशा से हवा चली। बादल छाए रहने से दिनभर ठंड महसूस हुई। सर्द हवा से ठिठुरन का एहसास होता रहा। सुबह कोहरा रहने से दृश्यता 500 मीटर तक पहुंच गई। हवा 11 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। अधिकतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से तीन डिग्री कम रह, जबकि न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसलिए छा रहा है कोहरा मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी ने बताया कि अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण कोहरा छा रहा है। दरअसल आंध्र प्रदेश और उससे लगे छत्तीसगढ़ पर एक प्रति चक्रवात बना हुआ है। उसकी वजह से बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है। इसी तरह अरब सागर से लेकर गुजरात तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इस वजह से अरब सागर से भी नमी आ रही है। प्रदेश में तापमान भी कम है। इससे लगातार कोहरा बना हुआ है। साथ ही कहीं-कहीं बादल भी मौजूद हैं। इस वजह से कहीं-कहीं हल्की वर्षा भी हो रही है। इस तरह की स्थिति अभी दो-तीन दिन तक बनी रह सकती है। 12 जनवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में आने की संभावना है। बह कोहरा छाए रहने से दृश्यता महज 500 मीटर रह गई।

कार सेवा के लिए गठित हुई थीं प्रगट और गुप्त वाहिनियां

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अयोध्या में कार सेवा के लिए दो वाहिनियां देशभर में बनाई गई थीं। प्रगट और गुप्त वाहनी में युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार रखा गया। इंदौर से भी दोनों वाहिनियों में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। युवाओं में कारसेवा को लेकर उत्साह था।प्रगट वाहिनी में शामिल रहे सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि प्रगट वाहिनी का काम माहौल बनाना था, जबकि गुप्त वाहिनी का काम गुप्त तरीके से अयोध्या तक पहुंचने का था। जोशीले नौजवान जो नारे लगा सकते थे, उनको प्रगट वाहिनी में रखा गया। प्रगट का काम स्थानीय प्रशासन को गुमराह करने का था। लाखों कारसेवक संगठित हुए वे बताते हैं कि लाखों युवा कार सेवा के लिए संगठित हुए थे। पूरे उत्साह के साथ मैं भी इसमें शामिल हुआ। इंदौर से हमारे साथ हजारों युवा कारसेवा में जुड़े। मुझे प्रगट वाहिनी में प्रशासन को गुमराह करने का दायित्व मिला। कई बैठकें हुईं। युवा अवस्था में उनकी रुचि के आधार पर वाहिनी में चुना गया। प्रगट वाहिनी को कहा गया था कि आप लोग नारे लगाते हुए अयोध्या की तरफ जाएंगे। निर्देश थे कि कहां ट्रेन से जाना है और कहां से बस यात्रा करनी है। यदि स्थानीय प्रशासन आपको कहीं गिरफ्तार करता है या वापस लौटाता है, तो आपको वहां से लौट आना है। सांसद लालवानी बताते हैं कि सभी को अंदेशा था कि अयोध्या तक कारसेवकों को नहीं पहुंचने दिया जाएगा। दो वाहिनी बनाकर प्रशासन को गुमराह करने की योजना तैयार की गई। स्थानीय प्रशासन को गुमराह करने के लिए देशभर से प्रगट वाहिनी के कार्यकर्ता रेल और अन्य साधनों से उप्र तरफ पहुंचे।

वैरिकोज वेंस से बचाव के लिए मोटापे पर नियंत्रण जरूरी

नियमित व्यायाम करना फायदेमंद

सिटी चीफ इंदौर।

वैरिकोज वेंस की समस्या बदलती जीवनशैली और कार्यशैली के कारण बढ़ती जा रही है। यह व्यक्ति की नसों में खून जमा होने के कारण होती है। इसकी वजह से नसों में सूजन आ जाती है और उभरी हुई दिखाई देती हैं। इसमें नसों का रंग नीला और लाल दिखाई देता है, लेकिन कई लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। इस कारण समस्या बढ़ जाती है। कई मामलों में इसके कारण चलने-फिरने में मुश्किल आ सकती है। इसके होने का एक बड़ा कारण मोटापा भी है। यह समस्या उन लोगों में अधिक देखने को मिलती है, जिन्हें अधिक समय तक खड़े रहने या फिर बैठने का काम होता है।यह बात सर्जरी विभाग एमवाय अस्पताल के प्रोफेसर और लेजर प्रोजेक्ट इंचार्ज डा. अरविंद घनघोरिया ने कही। वे बुधवार को वैरिकोज वेंस समस्या और समाधान पर पाठकों के सवालों के जवाब दे रहे थे। डा. घनघोरिया ने बताया कि एमवाय अस्पताल में वैरिकोज वेंस का लेजर पद्धति से निशुल्क उपचार किया जाता है। यहां देश के साथ ही विदेश से भी मरीज इलाज करवाने आते हैं। नियमित व्यायाम करेंगे तो भी इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

इंदौर में युवा और महिलाओं के लिए आज से शुरू होगा दो दिवसीय स्व-रोजगार मेला

सिटी चीफ इंदौर।

युवाओं और महिलाओं को स्व- रोजगार से जोड़ने के लिए दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया जाएगा। वही मेले के अंतिम दिन निजी क्षेत्र की कंपनियां युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराएगी।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिये गये निर्देश अनुसार इन्दौर में 11 एवं 12 जनवरी को दो दिनी स्व-रोजगार मेला आयोजित किया गया है। इस मेले के साथ ही 12 जनवरी को रोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा। उक्त मेले युवा और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित होंगे। मेले में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा युवाओं और महिलाओं को विभिन्न स्वरोजगारमूलक योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया जाएगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक एसएस मंडलोई ने बताया कि यह मेला एसोशिएशन ऑफ इंड्स्ट्रीज मध्यप्रदेश के सभाकक्ष पोलोग्राउंड में होगा। मेला सुबह साढ़े 10 से प्रारंभ होकर दोपहर 3 बजे तक चलेगा। मेले में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना , टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव आम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना , सावित्री फुले स्वसहायता समूह योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना आदि योजनाओं में युवाओं और महिलाओं को लाभान्वित किया जायेगा। विभिन्न कंपनियों में नौकरी का अवसर भी इसी दौरान 12 जनवरी को रोजगार कार्यालय द्वारा रोजगार मेला रखा गया है। इसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां युवाओं और महिलाओं को आकर्षक वेतन पर नौकरियां भी देंगी। उक्त मेले में नौकरी और स्वरोजगार के लिये के लिये 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की अनपढ से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास आवेदक एवं तकनीकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र लाना होगा।

10वीं-12वीं के नियमित विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा 20 मार्च तक

स्कूलों को दिए निर्देश

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव की वजह से दसवीं-बारहवीं कक्षा की परीक्षा अगले कुछ सप्ताह में शुरू होने जा रही है। मगर अब माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर रूपरेखा बनाई है, जिसमें नियमित-स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग शेड्यूल रखा गया है।नियमित छात्र-छात्राओं की मुख्य परीक्षा संपन्न होने के बाद स्कूलों में प्रायोगिक परीक्षाएं होगी, जबकि स्वाध्यायी विद्यार्थियों की मुख्य और प्रायोगिक परीक्षा साथ-साथ संपन्न करवाना है। ये केंद्रों पर करवाने पर जोर दिया है। मामले मंडल ने शेड्यूल जारी कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होते ही संस्थानों को विद्यार्थियों के अंक भी आनलाइन भेजना होंगे। मुख्य परीक्षा को लेकर मंडल ने जुलाई 2023 में टाइम टेबल जारी कर दिया था। 10वीं की 5-28 फरवरी और 12वीं की 6 फरवरी से 5 मार्च तक परीक्षा रखी गई है। पेपर सुबह 9 से दोपहर 12 बजे के बीच होंगे। मगर मंडल की सप्ताहभर पहले प्रायोगिक परीक्षा को लेकर दिशा-निर्देश दिए है। मंडल के मुताबिक दसवीं-बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं 5 से 20 मार्च के बीच करवाना है। यह प्रक्रिया ने स्कूलों को पूरी कर छात्र-छात्राओं के अंक 25 मार्च तक भेजने को कहा है। स्वाध्यायी विद्यार्थियों की परीक्षा 6 फरवरी से 5 मार्च के बीच केंद्रों पर होगी। इनके अंकों को 10 मार्च तक आनलाइन भिजवाना होंगे। प्रायोगिक परीक्षाओं के संचालन पर नजर रखने के लिए प्रत्येक जिले के कुछ स्कूलों को जिम्मेदारी सौंपी है। मंडल ने प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए बाहरी मूल्यामंकर्ताओं को बुलाने पर जोर दिया है।अधिकारियों के मुताबिक स्वाध्यायी और नियमिति विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा के अंक एमपी आनलाइन से भिजवाना है।

दुर्लभ हत्याकांड के आरोपित पर चलाई थीं गोलियां, चार बदमाश गिरफ्तार

उज्जैन। नानाखेड़ा थाने के समीप 5 दिसंबर 2023 की शाम को दुर्लभ कश्यप हत्याकांड के आरोपित शाहनावाज की कार पर बदमाशों ने गोलियां चलाई थी। पुलिस ने 11 आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। बुधवार को पुलिस ने मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। चारों को कोर्ट ने एक दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा है। पुलिस पूर्व में छह आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।बता दें कि दुर्लभ कश्यप हत्याकांड का आरोपित शाहनवाज पुत्र शब्बीर हुसैन निवासी हेलावाड़ी 5 दिसंबर 2023 को नीलगंगा थाना क्षेत्र में वर्ष 2019 में हुई मारपीट के मामले में गवाही देने के लिए कोर्ट गया था। जहां कोर्ट परिसर में उसे अभिषेक वाल्मिकी व एक अन्य ने घेर लिया और जान से मारने की धमकी दी थी। कोर्ट में गवाही देकर शाहनवाज अपने साले रमीज, दोस्त जावेद व भाई शादाब व जाहिद के साथ कार क्रमांक एमपी 13 सीसी 3007 से घर लौट रहा था। कार जैसे ही नानाखेड़ा थाने के समीप पहुंची तो कुछ बदमाश बाइक से आए और कार रोक ली और उसी दौरान एक बदमाश ने पिस्टल से गोलियां चलाना शुरू कर दी। एक गोली कार की खिड़की के ऊपर लग गई और दूसरी से कार की खिड़की का कांच फूट गया था। इसके बाद बदमाश वहां से भाग निकले। पुलिस ने मामले में आरोपित शालू बना, अभिषेक शर्मा, अभिषेक वाल्मिकी, रोशन शर्मा को बुधवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था।

विश्वविद्यालय में स्वयं पोर्टल पर आठ पाठ्यक्रम शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में शिक्षा के इच्छुक लोग अब आनलाइन पाठ्यक्रम के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। सरकार के स्वयं पोर्टल के जरिए मैसिव ओपन आनलाइन पाठ्यक्रम की सुविधा दी जाती है। इसके अंतर्गत डीएवीवी के ईएमआरसी विभाग ने आठ पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए इच्छुक विद्यार्थी निश्शुल्क रजिस्ट्रेशन कर 11 जनवरी से पढ़ाई शुरू कर सकते हैं।रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 29 फरवरी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। ये आनलाइन पाठ्यक्रम निःशुल्क हैं लेकिन प्रमाण पत्र के लिए सामान्य वर्ग एक हजार रुपये और आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को 500 रुपये शुल्क चुकाना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 29 फरवरी है। पढ़ाई पूरी

करने के बाद विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। ये आनलाइन पाठ्यक्रम निःशुल्क हैं लेकिन प्रमाण पत्र के लिए सामान्य वर्ग एक हजार रुपये और आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को 500 रुपये शुल्क चुकाना पड़ेगा। विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यक्रम पाठ्यक्रमों में रिटेल एंड चैनल मैनेजमेंट, बेसिक्स आफ फोटोग्राफी, फाइनेंशियल एकाउंटिंग, एनवायरमेंटल स्टडीज, इनफार्मेशन सिक्योरिटी एंड साइबर फोरेंसिक्स, माइक्रो इकोनामिक्स, अंडरस्टैंडिंग पालिटिकल थ्योरी एवं मैक्रोइकोनामिक्स शामिल हैं। कुलपति प्रो. रेणु जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय इस राष्ट्रीय स्तर की परियोजना में शामिल होकर महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। ये पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। ईएमआरसी के निदेशक डा. चंदन गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को इन आनलाइन पाठ्यक्रमों में पंजीयन कराकर अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में निजी संस्थानों को अपने खर्च पर लगाने होंगे सीसीटीवी कैमरे

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में लोक सुरक्षा के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ऐसे स्थान, जहां भीड़भाड़ होती है, वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। शापिंग माल, स्कूल, कालेज, अस्पताल और सिनेमाघर संचालकों को स्वयं के व्यय पर इसकी व्यवस्था करनी होगी। इन्हें दो माह तक न केवल डाटा सुरक्षित रखना होगा बल्कि जब भी पुलिस को जांच के लिए आवश्यकता होगी तो इसे अनिवार्य रूप से देना होगा। सभी संस्थानों को सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए समय दिया जाएगा और निर्धारित अवधि में यदि व्यवस्था नहीं की जाती है तो फिर आर्थिक दंड लगेगा।तत्कालीन शिवराज सरकार के समय नवंबर 2022 में लोक सुरक्षा के लिए नगरीय क्षेत्रों में भीड़भाड़ वाले इलाकों में निजी संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए गृह विभाग ने लोक सुरक्षा विधेयक लाने की तैयारी की थी।

इसके लिए पुलिस मुख्यालय और विधि विभाग के अधिकारियों से तेलंगाना के अधिनियम का अध्ययन भी कराया गया पर इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था। अब मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने इंदौर संभाग के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अपराध पर नियंत्रण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। इसके बाद गृह विभाग ने एक बार फिर नगरीय क्षेत्रों के भीड़भाड़ वाले इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाने संबंधी विधेयक की तैयारी को शुरू कर दी है। शुरुआत भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन जैसे बड़े शहरों से की जाएगी और फिर इसका विस्तार होगा। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग इस काम को देखेगा। सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए जन सहयोग भी लिया जाएगा। भवन अनुज्ञा में किया जा सकता है प्रविधान विभागीय अधिकारियों का कहना है कि शापिंग माल, स्कूल, कालेज, अस्पताल और सिनेमाघर सहित जिन स्थानों पर बड़ी संख्या में भीड़ जुटती है, वहां सुरक्षा के लिए संचालकों से सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे। जिला और नगरीय प्रशासन को यह जिम्मेदारी दी जाएगी कि वह संचालकों से चर्चा करके सीसीटीवी कैमरे लगवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए उन्हें एक-दो माह का समय भी दिया जाएगा। इस बात पर भी विचार किया जा रहा है कि नए बनने वाले शापिंग माल, स्कूल, कालेज, अस्पताल, सिनेमाघर की भवन अनुज्ञा में ही सीसीटीवी कैमरे की अनिवार्यता का प्रविधान कर दिया जाए।

श्रीराम विरोध का हठ रावण की तरह कांग्रेस को देश से ही हटा देगा -विधायक रामेश्वर शर्मा

सिटी चीफ भोपाल।
कांग्रेस द्वारा श्रीराम मंदिर का आमंत्रण अस्वीकार किए जाने पर भोपाल की हुजूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा विधायक ने तीखे शब्दों में कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और कहा कि पूरा देश जानता है कि रामलला का मंदिर रामभक्तों द्वारा ही बनाया जा सकता है। रामभक्तों ने राम मंदिर की खातिर अपने प्राणों की आहुति दी। राजा श्रीराम की कृपा हुई, जिसके परिणामस्वरूप आज भव्य मंदिर बनकर तैयार है और उसमें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होने जा रही है।रामेश्वर शर्मा ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास ने इस संबंध में सबको न्यौता भेजा है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस के मन में आज भी राम विरोध ज्यों का त्यों है। वो कल भी राजा राम को काल्पनिक मानती थी और

आज भी भगवान राम का मंदिर कांग्रेस को नहीं भा रहा, इसलिए वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाकर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करना चाहती है। रावण की राह पर है कांग्रेस विधायक शर्मा ने कहा कि कांग्रेसियों से यही प्रार्थना है कि जिसको राम का आशीर्वाद नहीं होगा। वह अयोध्या कभी नहीं जा सकेगा। कांग्रेसियों की किस्मत में न रामलला की भक्ति लिखी है, न दर्शन और न ही सेवा लिखी है। कांग्रेस आज राम का विरोध करने के लिए रावण के रास्ते पर है। जैसे रावण ने हठ किया था, वैसे ही कांग्रेस भी राम विरोध का हठ कर रही है। इसी राम विरोधी हठ में कांग्रेस ही देश से हट जाएगी।

नकली सोना गिरवी रख बैंक से की चार करोड़ 32 लाख की ठगी, चार गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
आइसीआइसीआइ बैंक में नकली सोना गिरवी रखकर लगभग चार करोड़ 32 लाख रुपये की ठगी के मामले में क्राइम ब्रांच ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में बैंक प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने चार बैंक कर्मचारी, तीन सुनार और दस ग्राहकों सहित कुल 17 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस बाकी फरार आरोपितों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।डीसीपी क्राइम ब्रांच श्रुतकीर्ति सोमवंशी के मुताबक आइसीआइसीआइ बैंक की क्षेत्रीय प्रमुख कंचन राजदेव और क्षेत्रीय प्रबंधक भानु उमरे ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की थी। शिकायत में बताया गया कि बैंक की कोलार रोड स्थित शाखा का आकस्मिक निरीक्षण और आडिट में धोखाधड़ी का पता चला। देखा गया कि बैंक के अधिकारी और कर्मचारी तथा स्वर्ण का मूल्यांकन करने वाले अधिकृत सुनार की मिलीभगत से संदिग्ध ग्राहकों ने बैंक में नकली सोना गिरवी रखा और करीब चार

करोड़ 32 लाख रुपये की चपत बैंक को लगाई है। बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत क्राइम ब्रांच ने शिकायत जांच की तो पता चला कि बैंक के चार अधिकारी और कर्मचारियों ने तीन सुनारों के साथ मिलकर 10 ग्राहकों के कुल 36 खातों में नकली सोना गिरवी रखकर चार करोड़ 32 लाख से ज्यादा का नुकसान बैंक को पहुंचाया गया है। इनमें से 22 खाते ऐसे निकले जिनमें नकली सोना गिरवी रखा गया था, जबकि 14 खातों में तो सोना गिरवी रखे बिना ही गोल्ड लोन स्वीकृत कर दिया गया था। इनके खिलाफ दर्ज हुआ प्रकरण क्राइम ब्रांच ने इस मामले में चार बैंक अधिकारियों, तीन सुनार (सोने की गुणवत्ता के परीक्षक) एवं 10 संदिग्ध ग्राहकों के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में सुनार राकेश सोनी निवासी हनुमानगंज और जगदीश कुमार सोनी निवासी बजरिया के साथ ही दो ग्राहकों शोभित कुमार जैन निवासी छतरपुर और अरुण शर्मा निवासी होशंगाबाद रोड भोपाल को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा- एक बड़ा नेता अपने परिवार तो दूसरा स्टाफ के कारण हारा

सिटी चीफ भोपाल।
संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि एक सफल जनप्रतिनिधि होने के नाते आपका निजी जीवन भी पारदर्शी होना चाहिए। जनता के बीच विश्वास अर्जित करना बहुत जरूरी है। पहली बार चुनाव जीते लोगों में से इस बार 30 से 40 प्रतिशत ही चुनकर आए। अभी एक बहुत बड़ा व्यक्ति सिर्फ अपने आफिस के कर्मचारियों के कारण हार गया। एक और व्यक्ति अपने परिवार के सदस्य के कारण चुनाव हार गया। हमें अपनी छवि की भी चिंता करनी चाहिए क्योंकि सब आपको देखते हैं। विधानसभा के नव निर्वाचित सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि परिवार का राजनीति में कितना उपयोग करना, कहीं हमारे लिए यह नुकसानदायक तो नहीं है, इसकी हमें चिंता करनी चाहिए। आप कितने भी बड़े नेता बन जाओ यदि घर के लोग दिल से सम्मान नहीं करते तो ऐसी नेतागीरी का कोई महत्व नहीं, इसलिए परिवार में हमारी भूमिका क्या है उसके बारे में हमेशा ध्यान रखना चाहिए।मंत्री

विजयवर्गीय ने कहा कि मैं सफल नेता उसको मानता हूं, जो अपने हर कर्तव्य का कार्य ईमानदारी से करें। प्रतिष्ठा और विश्वास ऐसा अर्जित करना चाहिए जैसा करण सिंह वर्मा को लेकर है कि वे किसी की चाय नहीं पीते हैं। विधायक के रूप में निर्वाचित होने के बाद जनता में विश्वास कायम रखना चुनौतीपूर्ण होता है। विधायक ऐसा होना चाहिए जिस पर क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ता विश्वास करें। मौखिक सूचना पर भी शून्यकाल में बात रखने का मिलेगा अवसर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विधानसभा में नए सदस्यों को बोलने में प्राथमिकता दी जाएगी। अभी शून्यकाल में लिखित सूचनाओं पर बोलने का प्रविधान है लेकिन आगामी सत्र में महत्वपूर्ण तत्कालीन घटनाओं पर सदस्य मौखिक सूचना पर भी अपनी बात रख सकेंगे। इस बार 69 विधायक पहली बार चुन कर आए हैं। उनसे इस दो दिवसीय प्रबोधन का अनुभव लिया जाना चाहिए। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सदस्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विधायक जब निर्वाचित होकर सदन में पहुंचता है, तो यह जिज्ञासा होती है कि उन्हें क्या-क्या अधिकार हैं। उन्होंने सलाह दी कि वे विशेषाधिकार के साथ-साथ कर्त्तव्यों पर ज्यादा ध्यान दें। सदन में उनका बेहतर प्रदर्शन उन्हें राज्य के नेता के रूप में पहचान दिलाने में मददगार होता है। विधायक सदन में कुछ न बोलें पर उपस्थिति अनिवार्य विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष डा.राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जब कोई विपक्ष में होता है तो दूसरी बात करता है और जब सत्ता में रहता है तो कुछ और बात करता है लेकिन हमारा लक्ष्य केवल विकास होना चाहिए। विधायक सदन में कुछ न बोलें तो भी चलेगा पर सदन में उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि वह बोलते कम और सुनते अधिक थे। बजट पर चर्चा के समय अपनी बात रखने का अवसर होता है, इसका उपयोग करना चाहिए। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डा.सीतासरन शर्मा ने विधायकों से कहा कि वह प्रश्न अवश्य पूछें, क्योंकि प्रश्न लगाने से ही सरकार को भी यह पता चलता है कि शासन-प्रशासन कैसा चल रहा है। किसी भी सूरत में प्रश्नकाल को स्थगित नहीं किया जाना चाहिए। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने संसदीय प्रक्रिया स्थगन, ध्यानाकर्षण और अविलंब लोक महत्व की सूचना के महत्व के बारे में सदस्यों को जानकारी दी।

10वीं पास युवकों ने चाइनीज माड्यूल से की 90 लाख रुपये की धोखाधड़ी

सिटी चीफ भोपाल।
चाइनीज माड्यूल पर चलने वाली साइबर फ्राड एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर मध्य प्रदेश के इंदौर और धार जिले के दो आरोपितों ने कई लोगों को टेलीग्राम एप चैनल में जोड़कर लाखों की ठगी कर दी। भोपाल साइबर क्राइम ने शिकायत के बाद मामले की तकनीकी जांच शुरू की। इसमें पता चला कि टेलीग्राम चैनल बनाने वाले आरोपितों ने अलग-अलग मोबाइल फोन नंबर का इस्तेमाल कर लोगों के बैंक खाते से लाखों रुपये निकाल लिए थे।पुलिस उपायुक्त क्राइम श्रुतकीर्ती सोमवंशी ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम बनाई थी। आरोपितों के मोबाइल नंबर के आधार पर उनकी लोकेशन निकाली गई। उसके बाद विजय श्रीनगर इंदौर निवासी निवासी 25 वर्षीय सतवीर सिंह और ग्राम साला खलघाट थाना धामनौद तहसील धर्मपुरी जिला धार निवासी 24 वर्षीय राहुल वसुनिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों दसवीं पास हैं। आरोपितों से अभी तक 90 लाख रुपये की धोखाधड़ी के प्रकरणों में रिकवरी हुई है। मामले में अभी जांच चल रही है। ऐसे देते थे धोखाधड़ी को अंजाम आरोपित सतवीर सिंह जरूरतमंद लोगों की पहचान कर उन्हें रुपये का लालच देकर उनका करंट बैंक खाता खुलवाता था। इस बैंक खाते को टेलीग्राम एप चैनल के माध्यम से चाइनीज साइबर ठगी के गिरोह के लोगों से संपर्क कर भेज दिया जाता था। चीन से संचालित गिरोह के आरोपित इन खातों को अपने सिस्टम में अपलोड कर लेते थे। अनेक प्रकार की धोखाधड़ी होने के बाद रकम इन खातों में ट्रांसफर कर ली जाती थी। इस दौरान बैंक खाताधारकों को आरोपितों द्वारा दिए गए मिरर एंड्रायड एप्लीकेशन को इंस्टाल करवाया जाता था। इस एप से संबंधित बैंक खाताधारक के ओटीपी उसके साथ ही आरोपित के मोबाइल फोन पर प्रदर्शित होते थे। इनका इस्तेमाल कर आरोपित बड़ी संख्या में राशि की हेरफेर कर रहे थे। साइबर क्राइम ने जानकारी निकाली है कि आरोपितों ने कई जरूरतमंदों के बैंक खातों से भी उनकी निजी जमा राशि चोरी से निकाल ली। साइबर सेल ने जारी की एडवाइजरी घटना की सूचना भोपाल साइबर क्राइम के हेल्पलाइन नंबर 9479990636 अथवा राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रतिदिन हजारों रुपये कमाने का लालच दिया जा रहा है। उसे टास्क फ्राड कहा जाता है। पहले आपको फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यूटयूब चैनल को लाइक एवं सब्सक्राइब करने अथवा फेसबुक या इंस्टाग्राम पेज को फालों एवं लाइक करने के टास्क दिया जाता है। ऐसे झांसे से बचें। फोन पर कोई अज्ञात व्यक्ति आपसे क्रेडिट कार्ड, बैंक खाता, एटीएम कार्ड या अन्य कोई लेनदेन की जानकारी मांगता है।

साहित्य और कला का होगा संगम, 50 सत्र में 90 वक्ता अपने विचार रखेंगे

सिटी चीफ भोपाल।
भारत भवन में साहित्य और कला प्रेमियों को समर्पित तीन दिवसीय भोपाल लिटरेचर फेस्टिवल छठा संस्करण 12 जनवरी से शुरू होगा। 3 दिन तक कुल 50 सत्र होंगे। जिनमें 90 से ज्यादा वक्ता शामिल होंगे। फेस्टिवल के दौरान युवाओं के लिए कहानी पाठ, चित्रकारी और काव्य प्रतियोगिताएं भी होंगी। भोपाल लिटरेचर फेस्टिवल के संस्थापक राघव चंद्रा ने बताया कि 12 से 14 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव में अंतरराष्टीय और राष्ट्रीय परिदृश्य, कला और साहित्य को समर्पित विभिन्न विषयों पर 50 से भी ज्यादा सत्रों का आयोजन रोज सुबह 11 से रात आठ बजे तक होगा।महोत्सव का उद्घाटन 12 जनवरी की सुबह 11 बजे भारत भवन के अंतरंग सभागार में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका स्मिता नागदेव के मंगलाचरण से होगा। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार द्वारा लिखित पुस्तक बैंकर एंड कस्टोडियन आफ ट्रस्ट पर चर्चा होगी। रजनीश कुमार वर्तमान में मास्टर कार्ड के चेयरमैन है। द एवरेस्ट गर्ल और भोपाल गैस त्रासदी पर एकाग्र वेब सीरीज द रेलवे मैन पर भी बातचीत होगी। महोत्सव में राजा विक्रमादित्य के जीवन चरित्र पर भी बातचीत की जाएगी। उद्घाटन सत्र में सिटी मार्केटिंग में इन्फ्लुएंसर की भूमिका पर भी एक सत्र तय है। शाम छह बजे से इंडियन क्वीन आफ पाप पद्मश्री उषा उथुप की जीवनी पर केंद्रित बातचीत और लाइव प्रस्तुति होगी। छात्रों के लिए सत्र होगा आयोजित अगले दिन 13 जनवरी को विजय अग्रवाल और ओपी श्रीवास्तव द्वारा एक सत्र छात्रों के लिए गीता पर केंद्रित होगा। द लास्ट माइल पर पूर्व सचिव भारत सरकार अमरजीत सिन्हा द्वारा म्यूजियम एज ए टाइम मशीन तस्नीम जकारिया मेहता एवं शिवांग मेहता द्वारा वाइल्ड लाइफ पर चर्चा होगी। वेस्ट एशिया एट वार और विल दिया एवर बी पीस तल्मीज और पंकज सरना द्वारा चर्चा की जाएगी। मुंशी प्रेमचंद पर होगी बातचीत भोपाल की डा. सीमा रायजादा मुंशी प्रेमचंद पर सारा राय से बातचीत करेंगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण का आज जारी होगा परिणाम शीर्ष पांच में शामिल हो सकता है भोपाल

सिटी चीफ भोपाल।
नई दिल्ली में गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के परिणामों की घोषणा की जाएगी। इसमें स्वच्छ सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले देशभर के शहरों की रैंकिंग घोषित होगी। इस प्रतिस्पर्धा में भोपाल भी दावेदार है। हालांकि भोपाल की रैंकिंग क्या होगी, अभी इसका पता नहीं है। लेकिन नगर निगम के अधिकारी पांचवे नंबर पर आने का दावा कर रहे हैं। इसका पुरस्कार लेने के लिए महापौर मालती राय के साथ नगर निगम के अन्य अधिकारी दिल्ली पहुंच गए हैं।बता दें कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 की रैंकिंग 11 जनवरी को जारी करने की घोषणा पांच जनवरी को की गई थी। अब गुरुवार को दिल्ली में केन्द्रीय शहरी आवासन

मंत्रालय देशभर के स्वच्छ शहरों के रैंकिंग की घोषणा करेगा। साथ नगरीय निकायों की स्वच्छता में रैंकिंग की घोषण भी होगी। इधर सर्वे में अच्छी रैंकिंग के संकेत मिलते ही स्वच्छता सर्वेक्षण के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल नगर निगम की महापौर मालती राय सहित निगम कमिश्नर फ्रैंक नोबल ए, अपर आयुक्त विनीत तिवारी, उपायुक्त योगेन्द्र पटेल और एनजीओ की टीम दिल्ली पहुंच गई। इंदौर ने बरकरार रखा ताज, भोपाल पिछड़ रहा बता दें कि वर्ष 2017 और 2018 में भोपाल देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर था। इसके बाद से हर वर्ष पिछड़ता जा रहा है। वहीं इंदौर शुरुआत से ही लगातार नंबर वन पर बना हुआ है। उसने अब तक स्वच्छतम शहर का अपना ताज बरकरार रखा है। हालांकि बीते वर्ष भोपाल 17वें स्थान से उछलकर 11वें पर पहुंचा था। निजी एजेंसियों को काम सौंपने से पिछड़े शहर की वर्तमान आबादी 24 लाख पहुंच गई है। निगम के 19 जोन व 85 वार्ड में साफ-सफाई का जिम्मा नगर निगम के नौ हजार कर्मचारियों के पास है। जिसमें से सात हजार कर्मचारी सिर्फ स्वास्थ्य विभाग में दैनिक वेतनभोगी हैं। हर जोन में एक प्रभारी सहायक स्वास्थ्य, हर वार्ड में एक दरोगा और हर वार्ड में 25 से 30 कर्मचारी रोजाना साफ-सफाई करते हैं। लेकिन निगम अधिकारी सिर्फ एनजीओ और सलाहकारों पर निर्भर हैं। कर्मचारियों के श्रम से ज्यादा एनजीओ को तबज्जो दी जाती है। इसलिए हर साल नगर निगम पिछड़ रहा है।

भोपाल में जज की कार को एसयूवी से मारी टक्कर, बाद में कुचलने की कोशिश

सिटी चीफ भोपाल।
बागसेवनिया के आरआरएल तिराहे के पास एक तेज रफ्तार कार चालक ने भोपाल जिला कोर्ट के फेमिली कोर्ट के जज बलराम यादव की कार को टक्कर मारी , बाद में आरोपित जज की कार के चालक के साथ झूमाझटकी कर उन पर कार चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान जज के कार चालक और टक्कर मारने के आरोपित के बीच में काफी विवाद हुआ। बाद में एडीजे के कार चालक की शिकायत पर टक्कर मारने वाले कार चालक गौतम शर्मा पर 307,353,332 और 342 आइपीसी की धाराओं में एफआइआर दर्ज कर ली गई।ड्रायवर ले जा रहा था जज की कार, पेट्रोल पंप पर विवाद आरोपित एक न्यूज चैनल की निजी कंपनी का आइटी अधिकारी है। मिसरोद थाने के एसीपी रजनीश कश्यप ने बताया कि अशोका गार्डन निवासी 41 वर्षीय ताहिर अनसार एडीजे बलराम यादव की कार चालक है। उसने शिकायत में बताया है कि वह बुधवार सुबह दस से साढ़े दस बजे के करीब एडीजे बलराम यादव को उनके घर से कार कोर्ट लेकर जा रहा था। रास्ते में आरआरएल पेट्रोल पंप के पास एक चालक ने उनकी कार को टक्कर मारी। जब कार रोककर उससे बात की तो वह गाली गलौच करने लगा, इस दौरान एडीजे को कार से उतारकर उनसे अभद्रता की और बाद में जब वह आगे जाने लगे तो दोबारा से उनकी कार को टक्कर मारी। इस दौरान उसे कार से उतारकर समझाने की कोशिश की ,लेकिन वह लगातार अभद्रता और गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दे रहा था। 45 मिनट करीब लगी रही लोगों की भीड़ आरोपित और एडीजे के कार चालक के बीच सड़क पर 45 मिनट तक विवाद होता रहा।

संपादकीय

नदियों में बढ़ती गाद से गहराता संकट, जरूरी है इसका प्रबंधन

पिछले महीने संपन्न सतलुज-यमुना जोड़ की बैठक में पंजाब सरकार ने स्पष्ट किया कि उनके राज्य में सतलुज नदी अभी से सूख रही है। दिल्ली में यमुना हो या फिर गाजियाबाद-शामली में हिंडन, ये भी सिकुड़ रही हैं। दो महीने पहले बरसात में तबाही मचाने वाली बिहार के गोपालगंज जिले से गुजरने वाली घोघारी, धमई व स्याही नदियों ने भी सूखने के लिए गर्मी का इंतजार नहीं किया। विगत जुलाई में सी-गंगा यानी सेंटर फॉर गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट ऐंड स्टडीज द्वारा जल शक्ति मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और झारखंड की 65 नदियां बढ़ती गाद से हांफ रही हैं। हालांकि गाद नदियों के प्रवाह का नैसर्गिक उत्पाद है और देश के कई बड़े तीर्थ व प्राचीन शहर इसी गाद पर विकसित हुए हैं। पर नदी के साथ बहकर आई गाद को जब किनारों पर माकूल जगह नहीं मिलती, तो वह जलधारा के मार्ग में व्यवधान बन जाती है। गाद नदी के प्रवाह मार्ग में जमती रहती है और इससे नदियां उथली होती हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में ऐसी 36 नदियां हैं, जिनकी कोख में इतनी गाद है कि न केवल उनकी गति मंथर हुई है, बल्कि कुछ ने अपना मार्ग बदला और उनका पाट संकरा हो गया। रही-सही कसर अंधाधुंध बालू उत्खनन ने पूरी कर दी। नतीजतन इनमें से कई नदियों का अस्तित्व खतरे में है। प्रयागराज के फाफामऊ, दारागंज, संगम, छतनाग और लीलापुर के पास टापू बनते हैं। संगम के आसपास गंगा नदी में चार मिलीमीटर की दर से हर साल गाद जमा हो रही है। गंगा की गहराई कम होने से उसकी धारा में भी परिवर्तन हो रहा है। आने वाले दिनों में गंगा की धारा और तेजी से परिवर्तित होगी, क्योंकि जब नदी की गहराई कम हो जाएगी, तो नदी का स्वाभाविक बहाव रुक जाएगा। ऐसे में बाढ़ का खतरा स्वाभाविक है। यह बात सरकारी रिकॉर्ड में है कि आज जहां पर संगम है, वहां यमुना की गहराई करीब 80 फीट है, लेकिन गंगा की गहराई इतनी कम है कि संगम के किनारे नदी में खड़े होकर कोई भी स्नान कर सकता है। पर यमुना की अधिक गहराई के चलते असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। तभी संगम पूरब की तरफ बढ़ रहा है और उसका झुकाव अकबर के किले तक खिसक चुका है, जबकि संगम कभी सरस्वती घाट के पास हुआ करता था। आजादी के बाद भी गढ़मुक्तेश्वर से कोलकाता तक जहाज चला करते थे। गाद के चलते बीते पांच दशक में वहां गंगा की धारा आठ किलोमीटर दूर खिसक गई है। बिजनौर के गंगा बैराज पर गाद की आठ मीटर मोटी परत है। आगरा व मथुरा में यमुना गाद से भर गई है। आजमगढ़ में घाघरा और तमसा के बीच गाद के कारण कई मीटर ऊंचे टापू बन गए हैं। घाघरा, कर्मनाशा, बेसो, मंगई, चंद्रप्रभा, गरई, तमसा, वरुणा और असि नदियां गाद से बेहाल हैं। बिहार में तो उथली हो रही नदियों में गंगा सहित 29 नदियों का दर्द है। जो नदियां तेज बहाव से आ रही हैं, उनके साथ आए मलबे से भूमि कटाव भी हो रहा है और कई जगह नदी के बीच टापू बन गए हैं। अकेले फरक्का से होकर गंगा नदी पर हर साल 73.6 करोड़ टन गाद आती है, जिसमें से 32.8 करोड़ टन गाद इस बैराज के प्रति प्रवाह में ठहर जाती है। झारखंड के साहिबगंज में गंगा अपने पारंपरिक घाट से पांच किलोमीटर दूर चली गई है। वर्ष 2016 में केंद्र सरकार द्वारा गठित चितले कमेटी ने साफ कहा था कि नदी में बढ़ती गाद का एकमात्र निराकरण यही है कि नदी के पानी को फैलने का पर्याप्त स्थान मिले, तटबंध और नदी के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण न हो और अत्यधिक गाद वाली नदियों के संगम क्षेत्र से नियमित गाद निकालने का काम हो। पर ये सिफारिशें ठंडे बस्ते में बंद हो गईं। यह दुर्भाग्य है कि विकास के नाम पर नदियों के कछार को सर्वाधिक हड़पा गया। भूमि के लालच में कछार और उसकी गाद लुप्त हो गई। गाद हर नदी का स्वाभाविक उत्पाद है, पर उसका भली-भांति प्रबंधन अनिवार्य है। गाद जैसे ही नदी के बीच जमती है, तो नदी का प्रवाह बदल जाता है। यदि गाद किनारे से बाहर नहीं फैली, तो नदी के मैदान का उपजाऊपन और ऊंचाई, दोनों घटने लग जाते हैं, जिससे बाढ़ का दुष्प्रभाव अधिक होता है।

अर्थव्यवस्था: इस वर्ष भी जारी रह सकते हैं अच्छे नतीजे, अनुकूल हैं राजनीतिक और आर्थिक हालात

वर्ष 2024 भारतीय अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और रुपये के लिए एक और अच्छा साल साबित होने वाला है। घरेलू और वैश्विक, दोनों स्तर पर सभी कारक भारत के लिए सकारात्मक हैं। दुनिया भर में 70 से ज्यादा देशों में इस वर्ष चुनाव होने वाले हैं, इसलिए काफी राजनीतिक सरगर्मी और संभावित बदलाव देखने को मिलेंगे। हालांकि दुनिया को वर्ष 2024 में मंदी की आशंका है, पर ज्यादातर देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार और मंदी से बचने की उम्मीद कर रहे हैं। इस वर्ष वैश्विक विकास दर दो फीसदी के करीब रहने का अनुमान है। भारत में सबसे अधिक वृद्धि दर रहने की उम्मीद है, वास्तविक विकास के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान है, जबकि नॉमिनल आधार पर 11 फीसदी का अनुमान है। वर्ष 2022 और वर्ष 2023 की पहली छमाही में ब्याज दर में तेज वृद्धि के बाद उम्मीद है कि प्रमुख केंद्रीय बैंक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व से लेकर यूरोपीय केंद्रीय बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैंड तक, ब्याज दरों में कटौती की स्थिति में होंगे, क्योंकि ये अर्थव्यवस्थाएं सुस्त हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की अर्थव्यवस्था में भी सुस्ती है, जिससे वस्तुओं की कीमतें गिर गई हैं, जो भारत जैसे बड़े कमोडिटी आयातक के लिए सकारात्मक है। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती से आम तौर पर डॉलर कमजोर होता है। साथ ही इससे उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी पोर्टफोलियो के प्रवाह में वृद्धि होती है। यह वर्ष 2024 में भारत में विदेशी धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए अनुकूल स्थिति है। कच्चे तेल की गिरती कीमत इस वर्ष वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और सकारात्मक संकेत है। इस अनुकूल वैश्विक पृष्ठभूमि में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावना अनुकूल दिख रही है। बढ़ते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, चालू खाता घाटा और रुपये की बढ़ती स्वीकार्यता जैसे प्रमुख मानदंडों पर भारत वास्तविक रूप से अमृत

काल का आनंद ले रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकारी खर्च में भारी बढ़ोतरी अगले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था को काफी आर्थिक फायदा पहुंचाएगी। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और जलमार्ग-सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने से वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में निजी पूंजी व्यय में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है। बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये का आर्थिक उत्पादन या जीडीपी की वृद्धि पर चार से छह गुना प्रभाव पड़ता है। इस वर्ष अप्रैल-मई में होने वाले संसदीय चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन को एक और कार्यकाल मिलने की उम्मीद से नीति निरंतरता की उच्च संभावना है। इससे क्षमता विस्तार और हरित परियोजनाओं को शुरू करने के लिए निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। वर्ष 2023 में रिकॉर्ड संख्या में आवास खरीदे गए। आवास क्षेत्र में तेजी से बढ़ती कमाई और भारी मांग को देखते हुए रियल एस्टेट क्षेत्र में अगले सात से दस वर्ष तक तेजी रहने की संभावना है। अगले कुछ वर्षों तक कॉरपोरेट आय वृद्धि भी 14-15 फीसदी के दायरे में रहने उम्मीद है। यह शेयर बाजार सूचकांकों के उछाल में भी परिलक्षित होता है, जो वर्ष 2023 में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया और उम्मीद है कि इस वर्ष भी यही रफ्तार बनी रहेगी। कॉरपोरेट बैलेंस शीट से जोखिमों को खत्म कर दिया गया है और पिछले कुछ वर्षों में ऋण का स्तर भी घट गया है। बैंकों ने अनियोजित खर्च के लिए अलग से पूंजी कोष (कैपिटल बफर्स) तैयार किया है और एनपीए से संबंधित समस्याएं खत्म की हैं। कॉरपोरेट घरानों को अपनी विकास जरूरतों के लिए शेयर बाजारों, बांड बाजारों और बैंकों और गैर-बैंक से धन उपलब्ध हो रहा है। वैश्विक बांड सूचकांकों में भारत के शामिल होने से भारतीय बांड बाजारों में भी दीर्घकालिक विदेशी फंडों का बड़ा प्रवाह होगा। इससे धन जुटाने की लागत कम हो जाएगी और भारतीय बांड बाजार समृद्ध होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने मई, 2022 में ब्याज दरों में 250 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की थी। उम्मीद है कि रिजर्व बैंक इस वर्ष जुलाई-अगस्त में दरों में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती करेगा। वर्ष के अंत तक भारत के दस-वर्षीय सरकारी बांड की रिटर्न लगभग 6.6-6.75 फीसदी पर स्थिर रहने की उम्मीद है। अमेरिकी, यूरोपीय और चीनी अर्थव्यवस्था में मंदी का जोखिम है, जो भारत के विकास को भी धीमा कर देगा। भू-राजनीतिक जोखिम के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान या तेल की कीमतों में वृद्धि का भी जोखिम है। इसके अलावा अल नीनो प्रभाव से कमजोर मानसून चुनौती पैदा कर सकता है। ग्रामीण मांग कमजोर है और कृषि अर्थव्यवस्था पर किसी भी अन्य प्रभाव से ग्रामीण क्रय क्षमता पर भी असर पड़ेगा। शेयर बाजार में बड़ी कंपनियां (लार्ज कैप्स) इस वर्ष बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जबकि छोटी व मंझोली कंपनियों ने पहले ही 2023 में शानदार प्रदर्शन किया है। घरेलू उन्मुख क्षेत्र, जैसे बैंक एवं अन्य वित्तीय क्षेत्र-म्यूचुअल फंड से बीमा कंपनियों तक, पसंदीदा क्षेत्र होंगे। बुनियादी ढांचा, बिजली, निर्माण, रियल एस्टेट, रेलवे, रक्षा क्षेत्र से जुड़े शेयर भी अपने राजस्व और कमाई में वृद्धि जारी रखेंगे। आईटी सेक्टर के शेयरों को फिर गति पकड़ने में कुछ तिमाही लगेंगे, क्योंकि वैश्विक मंदी के कारण ऑर्डर प्रवाह और कमाई सुस्त रहने का अनुमान है। कई वर्षों के खराब प्रदर्शन के बाद फर्मा क्षेत्र के शेयर भी आकर्षक लग रहे हैं। विदेशी निवेश के अधिक प्रवाह और कमजोर अमेरिकी डॉलर से भारतीय रुपये को डॉलर के मुकाबले दो-तीन फीसदी की बढ़त पाने में मदद मिलेगी। रुपया आधारित व्यापार के द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय समझौतों को बढ़ावा मिलेगा, खासकर मध्य पूर्व एवं अफ्रीकी देशों के साथ। हालांकि रुपये को विश्व स्तर पर स्वीकृत आरक्षित मुद्रा बनने में अभी लंबा समय लगेगा, लेकिन इस दिशा में कुछ प्रगति अवश्य होगी। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष भी पिछले वर्ष के अच्छे परिणामों को जारी रख सकती है, क्योंकि भारत को राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक नीति की स्थिरता और चीन की प्लस वन रणनीति का लाभ मिल रहा है। इस वर्ष भी भारतीय बाजारों में करीब 12-15 फीसदी रिटर्न की उम्मीद है।

लाइफस्टाइल बेहतर बनाता है ओपलकुंडली में शुक्र कमजोर है तो ऐसे करें धारण

रत्न ज्योतिष शास्त्र में अलग-अलग रत्नों के जरिए ग्रह शांति के उपाय बताए गए हैं। यदि किसी जातक को भौतिक सुखों की प्राप्ति नहीं होती है या आर्थिक तंगी से जूझता है तो उसे ओपल रत्न जरूर धारण करना चाहिए। पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, यदि कुंडली में शुक्र ग्रह कमजोर स्थिति में है तो ओपल रत्न जरूर धारण करना चाहिए। यहां जानें ओपल रत्न के ज्योतिषीय महत्व के बारे मेंओपल एक सुंदर और अनोखा रत्न है, जो हीलिंग प्रोसेस को तेज करता है। रत्न ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, इसे धारण करने से आध्यात्मिक गुण विकसित होते हैं। ओपल रत्न धारण करने से व्यक्ति में सकारात्मक भावना विकसित होती है। ओपल रत्न व्यक्ति में रचनात्मकता को बढ़ावा देता है

और नवीनता को प्रोत्साहित करता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को वैवाहिक सुख, विलासिता, ऐश्वर्य, कला, प्रतिभा, सौंदर्य, रोमांस, वासना आदि का कारक ग्रह माना गया है। यदि जातक की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत रहता है तो जातक को सभी भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। ऐसे में ओपल रत्न को धारण करने से शुक्र ग्रह मजबूत होता है। ओपल धारण करने से व्यक्ति की समाज में लोकप्रियता बढ़ती है। दांपत्य रिश्तों में भी मजबूती आती है। किन राशियों के लिए फायदेमंद है ओपल वैदिक ज्योतिष के अनुसार के मुताबिक, ओपल रत्न वृषभ और तुला राशि के लिए शुभ होता है। शुक्र ग्रह इन दोनों ही राशियों का स्वामी है। वहीं कुंभ और मकर राशि के स्वामी शनि के साथ शुक्र की मित्रता होने के कारण इन दोनों राशियों के लिए ओपल धारण करना फायदेमंद होता है। इन बातों की रखें सावधानी पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, ओपल के साथ माणिक और पुखराज रत्न कभी भी धारण नहीं करना चाहिए। ओपल और नीलम को एक साथ पहना जा सकता है। ओपल रत्न को शरीर के वजन के अनुसार ही धारण करना चाहिए। इसे चांदी की अंगूठी में धारण करना चाहिए। शुक्रवार सुबह स्नान के बाद ओपल अंगूठी या लॉकेट को गाय के दूध और गंगाजल से साफ करके पहनना चाहिए। इसे सीधे हाथ की तर्जनी में धारण करना चाहिए।

पंजाब में ऐसे मनाई जाती है लोहड़ी, सुख समृद्धि के लिए इस दिन जरूर करें ये काम

लोहड़ी का त्योहार देशभर में प्रसिद्ध है, लेकिन मुख्य रूप से पंजाब में इस त्योहार की धूम देखने को मिलती है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग ईश्वर के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। इसके साथ ही आने वाले समय में अच्छी फसल की कामना की जाती है। ऐसे में जानते हैं कि पंजाब के लोग लोहड़ी का पर्व किस तरह मनाते हैं। साथ ही जानते हैं कि लोहड़ी पर कि कामों को करने से आपको जीवन में लाभ मिल सकता है।पंजाब में ऐसे मनाते हैं लोहड़ी लोहड़ी मनाने के लिए सबसे पहले लकड़ियों की ढेरी बनाई जाती है और उसपर सूखे उपले भी रखे जाते हैं और आग जलाई जाती है। इसके बाद समूह में लोग इकट्ठा होकर साथ में लोहड़ी पूजन करते हैं और चारों ओर परिक्रमा करते हैं। प रिक्रमा करते हुए इस आग में तिल, गुड़, रेवड़ी और मूंगफली आदि अर्पित की जाती है। इसके साथ ही लोगों द्वारा इस अवसर पर ढोल आदि पर अपना पारम्परिक नृत्य यानी गिद्दा और भांगड़ा करते हैं। महिलाएं लोक गीत गाती हैं और अंत में सभी एक-दूसरे को लोहड़ी की शुभकामनाएं देते हैं। जरूर करें ये काम लोहड़ी के दिन गरीबों और जरूरमंदों को अपनी क्षमता अनुसार, दान जरूर करना चाहिए। माना जाता है कि इस दिन गाय को उड़द दाल और चावल खिलाने से गृह क्लेश की स्थिति से छुटकारा मिलता है। दान करें ये चीजें लोहड़ी पर दान का विशेष महत्व है। ऐसे में इस दिन तिल का दान जरूर करना चाहिए। इसे प्रसाद के रूप में कन्याओं में बांटे। ऐसा करने से परिवार में सुख शांति का माहोल बना रहता है। अग्नि में अर्पित करें ये चीजें लोहड़ी में जलाई गई अग्नि को बहुत-ही पवित्र माना जाता है। ऐसे में इस अग्नि में रेवड़ी, मक्का के फूले, मेवे, गजक, मूंगफली, नारियल, गन्ना का अर्घ्य देना बहुत-ही शुभ माना जाता है।

500 साल बाद 2 राजयोग, इन राशियों के भाग्य का पिटारा शनि-शुक्र दिलाएंगे लाभ ही लाभ

उज्जैन । ज्योतिष विद्याके अनुसार, ग्रह अपनी चाल बदलकर कई शुभ और अशुभ योग का निर्माण करते हैं, जिससे सभी 12 राशियां प्रभावित होती हैं। वहीं, लगभग 500 सालों के बाद दो राजयोगों का अद्भुत संयोग बनने वाला है, जिससे कुछ राशियों को पॉजिटिव रिजल्ट्स मिलेंगे। मार्च के महीने में शुक्र अपनी उच्च राशि में विराजमान रहकर मालव्य राजयोग का निर्माण करेंगे। वहीं, शनि अपनी उच्च राशि में विराजमान रहकर शश राजयोग का निर्माण करेंगे। ऐसी स्थिति में दो राजयोग का संयोग बेहद शुभ माना जा रहा है।

मिथुन राशि

शनि-शुक्र का गोचर मिथुन राशि वालों के लिए बेहद ही लाभदायक साबित हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। हर काम में सफलता हासिल होगी। बिना ज्यादा परिश्रम के धन का आगमन होगा। संपत्ति मिलने के भी योग बन रहे हैं। ऑफिस के सभी टास्क को बखूबी पूरा कर सकते हैं।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए शनि-शुक्र का यह गोचर बेहद ही शुभ माना जा रहा है। शनि-शुक्र के शुभ प्रभाव से इस राशि के जातकों की पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। काम के सिलसिले में विदेश की यात्रा करनी पड़ सकती है।

कुंभ राशि

शनि-शुक्र का ग्रह गोचर कुंभ राशि वालों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। कुंभ राशि वालों की आय में वृद्धि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में प्रमोशन होने के योग बन रहे हैं। बिजनेस करने वालों को नए इन्वेस्टर्स मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

भस्म आरती में हुआ बाबा महाकाल का श्रृंगार, भांग का श्रृंगार मस्तक पर विराजित हुआ सर्प

उज्जैन के बाबा महाकाल में आज सुबह चार बजे मंदिर के कपाट खोले गए। जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के पश्चात दूध, दही, घी, शक्कर, शहद फलों के रस से बने पंचामृत से बाबा महाकाल का पूजन किया गया। वहीं इसके बाद बाबा महाकाल का भांग चन्दन और चेरी से निर्मित त्रिपुण्ड अर्पित कर श्रृंगार किया गया। सुबह बाबा महाकाल को रजत का त्रिपुण्ड, त्रिशूल और चंद्र अर्पित कर भगवान

महाकाल को भस्म चढ़ाई गई, शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण भगवान महाकाल को अर्पित की गई, वहीं मिष्ठान और फलों का भोग भी लगाया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने किया दर्शन जिसके बाद भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। बाबा महाकाल के इस स्वरूप का दर्शन आज सुबह हजारों श्रद्धालुओं ने किया।

श्रॉफ और अक्षय कुमार की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' रिलीज के लिए तैयार

मुंबई । बॉलीवुड के सबसे यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' इस साल ईद पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में श्रॉफ और अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। इस फिल्म में टाइगर के फैंस उनके जोश को देखने के लिए बेसब्र हैं। डायनामिक एक्टर ने इस खबर की घोषणा करने के लिए अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। उन्होंने पोस्ट किया, बड़े और छोटे से मिलने का समय हो गया है, बस तीन महीने बचे हैं। हमसे थिएटर में मिलें। बड़े मियां छोटे मिया ईद पर आ रहे हैं। बॉलीवुड के सबसे यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ की फिल्म के रिलीज की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे दर्शकों की उत्सुकता और बेसब्री बढ़ रही है। यह टाइगर की सिनेमेटिक स्किल के सेलिब्रेशन में बदल गई है। रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन और सिद्धार्थ आनंद की मार्फ्लिक्स पिक्चर्स की रेम्बो जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिसका निर्देशन रोहित धवन करेंगे।

शाहरुख खान ने भावुक होते हुए बीते सालों में आईं परेशानियों पर की बात

सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडियन ऑफ द ईयर 2023 के टाइटल से सम्मानित किया गया। ऐसे में शाहरुख खान भावुक हो गए। उन्होंने स्टेज पर आकर लम्बी स्पीच दी। उन्होंने बताया कि पिछले चार-पांच साल उनके और उनके परिवारवालों के लिए बहुत खराब रहे। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती चली गईं और परिवारवालों पर एक के बाद एक कई तरीके के संकट (आर्यन खान पर लगे आरोप) आते गए। बीते सालों में आईं परेशानियों का जिक्र करते हुए शाहरुख खान ने ये भी बताया कि उन्होंने इस मुश्किल दौर से क्या सीखा।

क्या बोले किंग खान?

शाहरुख खान ने न्यूज 18 के अवॉर्ड समारोह में कहा, पिछले चार-पांच साल मेरे और मेरे परिवार के लिए थोड़े कठिन रहे। मुझे यकीन है कि कोविड और अन्य चीजों की वजह से आपके लिए भी ये समय आसान नहीं रहा होगा। मेरी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गईं। लोग मेरे करियर के खत्म होने की कहानी लिखने लगे। और फिर, व्यक्तिगत स्तर पर, कुछ परेशानियां आने लगीं।

पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त

शाहरुख ने आगे कहा, इन सब परेशानियों से मुझे सबक मिला कि शांत रहो, बहुत शांत रहो और गरिमा के साथ कड़ी मेहनत करो। जब सब अच्छा चल रहा हो तब इस बात को अपने दिल में रखो कि किसी दिन अचानक कहीं से फिर एक संकट आएगा और आप पर हमला करेगा। लेकिन, आपको घबराना नहीं है। आपको चीजों के ठीक होने की उम्मीद रखनी है। खुश रहना है और ईमानदारी से वो करना है जो आप करते आए हो। किसी ने मुझसे कहा था कि जिंदगी भी फिल्मों की तरह होती है। अंत में सब ठीक हो जाता है और अगर ठीक न हो,

तो वो अंत नहीं है। पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त।

आयरा-नूपुर की शाही शादी के संगीत समारोह के वीडियो हो रहे वायरल

मुंबई । आमिर खान की बेटी आयरा खान और नूपुर शिखरे की आज उदयपुर में पारंपरिक तरीके से शाही शादी होगी। शाही शादी की रस्में कई दिन से शुरू हो चुकी हैं। मंगलवार को आयरा की ओर से संगीत समारोह हुआ था। इस समारोह के कुछ वीडियो सामने आए हैं।

म्यूजिक फेस्टिवल में आयरा और नूपुर की एंट्री का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आयरा और नूपुर दोनों ही खूबसूरत लग रहे हैं। नूपुर ने सूट पहना था, जबकि आयरा ने लहंगा चोली और उसके ऊपर लाल हुडी पहनी थी। दूसरे वीडियो में आमिर खान, उनकी दूसरी पत्नी किरण राव, बेटे आजाद सभी एक म्यूजिक फेस्टिवल में परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं। तीनों ने मिलकर 'फूलों का तारों का, सबका कहना है, एक हजारों में मेरी बहना है' गाना गाया। आयरा और नुपुर की शादी के म्यूजिक कॉन्सर्ट के यह वीडियो चर्चा में है। आमिर, किरण और आजाद के गाए गाने के वीडियो पर फैंस कमेंट कर खूब तारीफ कर रहे हैं। आयरा और नूपुर की संगीत

समारोह बेहद भव्य अंदाज में हुआ।

लोग कहने लगे थे पागल

जब किरदार में ढलने के लिए ऋतिक ने कमरे में कर लिया खुद को कैद

ऋतिक रोशन बॉलीवुड के सबसे उम्दा कलाकारों में से एक हैं। अपने अभिनय से वे लाखों दिलों पर राज करते हैं। अभिनेता की जल्द ही बहुप्रतीक्षित फिल्म फाइटर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का निर्देशक पठान और वॉर जैसी ब्लॉकबस्टर बना चुके सिद्धार्थ आनंद ने किया है। फिल्म में दीपिका पादकुोण और अनिल कपूर में अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की हर ओर हो रही चर्चा के बीच आज के थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको ऋतिक रोशन से जुड़ा ही किस्सा बताने जा रहे हैं। ऋतिक उन कलाकारों में से हैं जो किसी भी किरदार में खुद को पूरी तरह से ढालने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसा वे तब से कर रहे हैं जब इंडस्ट्री में मेथड एक्टिंग का चलन बिल्कुल न के बराबर था। आपको जानकर हैरानी होगी कि ऋतिक ने कोई मिल गया के रोहित के किरदार में के लिए फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले खुद को पांच दिनों के लिए होटल के कमरे में बंद कर लिया था।

अभिनेता के इस फैसले की कई लोगों ने प्रशंसा की तो वहीं, कुछ लोगों ने उनका जमकर मजाक भी उड़या। इस बात का खुलासा अभिनेता ने खुद ही एक साक्षात्कार के दौरान किया था। उस बातचीत में ऋतिक ने कहा था कि लोगों ने मुझे मेरे तरीके को लेकर बहुत शर्मिंदा महसूस कराया।

अभिनेता ने कहा कि उन्हें खुशी है कि मौजूदा समय में इस तरह की प्रक्रिया को लेकर लोग अधिक सजग हो चुके हैं। अभिनेता ने बातचीत के दौरान बताया था कि उन्होंने इस किरदार के लिए खुद को पांच दिनों के लिए एक होटल के कमरे में कैद कर लिया था। इस दौरान उन्होंने वास्तव में उस प्रक्रिया का आनंद लिया और सेट पर पूरी तरह से रोहित के रूप में ही रहे।

जैकी भगनानी के साथ शादी के बंधन में बंधेगी एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह

मुंबई । इस वक्त बॉलीवुड में शादियों की हलचल मची हुई है। कुछ दिनों पहले अभिनेता आमिर खान की लाडली बेटी आयरा ने नुपुर शिखर के साथ रजिस्टर्ड मैरिज की। अब उनकी शाही शादी का समारोह उदयपुर में चल रहा है। आयरा और नुपुर के बाद अब एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की शादी की खबरें आ रही हैं। शादी की तारीख से लेकर शादी की थीम तक की जानकारी सामने आ गई है। चर्चाएं चल रही हैं कि रकुल और जैकी 22 फरवरी को गोवा में शादी करेंगे। ये शादी समारोह करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में होगा। रकुल और जैकी अपनी शादी में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए एक खास नियम बनाने की योजना बना रहे हैं। चूंकि रकुल और जैकी प्राइवेट तरीके से शादी करना चाहते हैं, इसलिए शादी में आने वाले मेहमानों के फोन के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। हालांकि, रकुल और जैकी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

शादियों के लिए बनाई गई एक खास थीम

रकुल और जैकी ने अपनी शादी के लिए खास थीम भी बनाई है। हालांकि, थीम के बारे में अभी तक कोई अधिक जानकारी नहीं है, लेकिन जोड़े के एक करीबी रिश्तेदार ने जानकारी दी है कि दोनों एक समान थीम का उपयोग करेंगे जो उनके व्यक्तित्व के अनुरूप हो। रकुल और जैकी के रिश्ते की चर्चा पिछले कई महीनों से हो रही थी। अक्टूबर, 2021 में दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार किया था। इतना ही नहीं, दोनों अक्सर एक दूसरे के लिए रोमांटिक पोस्ट शेयर करते नजर आते हैं। कुछ दिन पहले रकुल के बर्थडे के मौके पर जैकी ने एक खास पोस्ट शेयर किया था। इसके बाद ऐसी अफवाहें थीं कि दोनों जल्द ही शादी कर लेंगे।

अपनी बायोपिक में इस अभिनेत्री को देखना चाहती हैं जीनत अमान

करण जौहर के शो में किया खुलासा

फिल्म निर्देशक करण जौहर के चर्चित चैट शो कॉफी विद करण 8 में इस बार जीनत अमान और नीतू सिंह मेहमान बनकर आईं। करण जौहर ने अपने शो में आईं दोनों दिग्गज अदाकाराओं से उनके करियर और निजी जिंदगी से जुड़े मसलों पर दिलचस्प चर्चा की। इस दौरान जीनत अमान से उनकी बायोपिक का जिक्र छेड़ा गया और उनसे पूछा गया कि वे अपने किरदार में किस अभिनेत्री को देखना चाहेंगी?

देसी गर्ल के नाम का किया जिक्र

करण जौहर के सवाल का जवाब देते हुए जीनत अमान ने देसी गर्ल का नाम लिया। अभिनेत्री ने बताया कि वे अपने किरदार में प्रियंका चोपड़ा को देखना पसंद करेंगी। इसके अलावा करण ने पूछा कि अगर सत्यम शिवम सुंदरम 2 बनती है तो आज के दौर की कौन सी अदाकारा रूपा के किरदार को बखूबी अदा करेगी? इस बार जीनत ने दीपिका पादुकोण का नाम लिया।

नीतू सिंह ने भी लिया दीपिका का नाम

करण जौहर ने एक्ट्रेस से ये सवाल शो के रैपिड फायर राउंड के दौरान पूछे। बात करें फिल्म सत्यम शिवम सुंदरम की तो ये फिल्म वर्ष 1978 में आई थी। इसका निर्देशन राज कपूर ने किया था। जीनत अमान के साथ शशि कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। शो में जीनत अमान के साथ-साथ नीतू सिंह से भी करण जौहर ने कई सवाल पूछे। एक सवाल के जवाब में नीतू सिंह ने भी दीपिका पादुकोण का नाम लिया।

अनुष्का को रखेंगी फिटनेस एक्सपर्ट!

शो के दौरान करण जौहर ने नीतू सिंह से कुछ सवाल पूछे और कहा कि वे किस कलाकार को कौन सा रोल देना पसंद करेंगी। इस दौरान नीतू सिंह से पूछा गया कि वे अपनी फैशन स्टाइलिस्ट के रूप में किसे देखना पसंद करेंगी? जवाब में नीतू सिंह ने दीपिका पादुकोण का नाम लिया। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि फिटनेस एक्सपर्ट किसे रखना पसंद करेंगी तो नीतू सिंह ने अनुष्का शर्मा के नाम का जिक्र किया।

सिंगल कॉलम

अदाणी समूह करेगा दो लाख करोड़ का निवेश

एक लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

गांधीनगर। अदाणी समूह अगले पांच साल में गुजरात में दो लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इससे एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे। इस राशि का बड़ा हिस्सा राज्य में कच्छ के खावडा में दुनिया के सबसे बड़े 725 वर्ग किलोमीटर में फैले हरित ऊर्जा पार्क के निर्माण पर खर्च होगा। यह पार्क 30 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करेगा और अंतरिक्ष से भी दिखाई देगा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के 10वें संस्करण में कहा, समूह सौर मॉड्यूल, पवन टर्बाइन और हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर के निर्माण के लिए तीन गीगा कारखानों का निर्माण भी कर रहा है। उन्होंने कहा, पिछले शिखर सम्मेलन में 2025 तक 55,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। इसमें से 50,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश समूह कर चुका है। यह उपलब्धि अद्वितीय है। खासकर इस दशक के भू-राजनीतिक संघर्षों और वैश्विक महामारी की चुनौतियों को देखते हुए।

शार्ट टर्म के निवेशकों की बिकवाली चांदी 750 रुपये टूटी, सोने के भाव

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन मार्केट वायदा मार्केट में निवेशकों की बिकवाली के कारण सोना और चांदी वायदा में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि भारतीय सराफा बाजार में सोने के गहनों में वैवाहिक पूछताछ बनी हुई है। उपभोक्ता पूछताछ अच्छी रहने के कारण हाजर सोने में मजबूती कायम रही।

इंदौर में सोना केडबरी आंशिक सुधरकर 63275 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया जबकि कामेक्स पर सोना वायदा घटकर 2034 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया। इधर, चांदी वायदा 35 सेंट घटकर 23.03 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसका असर भारतीय बाजारों पर देखा गया। चांदी में शार्ट-टर्म के निवेशकों की बिकवाली आने के कारण चांदी में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। इंदौर में चांदी चौरसा 750 रुपये घटकर 73 हजार के नीचे 72850 रुपये प्रति किलो रह गई। ज्वेलर्स का मानना है कि आगे सोने के गहनों में अच्छे कामकाज की संभावना है। कामेक्स सोना ऊपर में 2034 नीचे में 2023 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 23.03 नीचे में 22.82 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया।

इंदौर सराफा बाजार में सोने-चांदी के बंद भाव- सोना केडबरी रवा नकद में 63275 सोना (आरटीजीएस) 64000 सोना (91.60 कैरेट) 58620 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। मंगलवार को सोना 63250 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 72850 चांदी टंच 73000 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 72900 रुपये प्रति किलो बोली गई। सोमवार को चांदी 73600 रुपये पर बंद हुई थी।

रतलाम सराफा बाजार के बंद भाव

रतलाम सराफा बाजार में चांदी चौरसा 73300, टंच 73400, सोना स्टैंडर्ड 64150, रवा 64100 रुपये। (आरटीजीएस भाव)।

उज्जैन सराफा बाजार में सोने-चांदी के भाव- उज्जैन सराफा बाजार में सोना स्टैंडर्ड 63350, सोना रवा 63250, चांदी पाट 73100, चांदी टंच 73000, सिक्का 800

देश में हो सकती है दवाओं की कमी, हजारों छोटी कंपनियां बंद होने के कगार पर

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाओं की मैन्यूफैक्चरिंग के लिए हाल में कुछ नियम बनाए थे। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इससे देश में दवाओं का कमी हो सकती है और कीमत आसमान पर पहुंच सकती है। कई मझोली और छोटी दवा कंपनियों का कहना है कि वे नए नियमों का पालन करने की स्थिति में नहीं हैं और इनमें से कई यूनिट्स बंद हो सकती हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री ने हाल में शेड्यूल एम में बदलाव को लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया था। सभी दवा कंपनियों के लिए इसे लागू करना अनिवार्य बनाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि शेड्यूल एम को सभी माइक्रो, स्मॉल और मीडियम कंपनियों के लिए चरणबद्ध तरीके से अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। हेल्थ मिनिस्ट्री का कहना है कि 250 करोड़ रुपये से अधिक सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों को एक अगस्त, 2023 से छह महीने के भीतर मानकों को लागू करना जरूरी है। छोटी कंपनियों को इसके लिए एक साल का समय दिया गया है। लेकिन लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि संजय सिंगला का कहना है कि छोटी और मझोली कंपनियों के लिए रिवाइज्ड शेड्यूल एम को लागू करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी कंपनियां क्वालिटी में सुधार के लिए तैयार हैं लेकिन इसमें बहुत खर्च आएगा। इस प्रोसेस में कई कंपनियां बंद हो जाएंगी। इससे देश में दवाओं की कमी हो जाएगी और उनकी कीमत बढ़ जाएगी।

क्या है पेच

सिंगला ने कहा कि छोटी और मझोली कंपनियों को संशोधित नियमों को लागू करने के लिए बहुत कम समय दिया गया है। उन्होंने कहा, छोटी कंपनियों के लिए नए नियमों को लागू करने चुनौतीपूर्ण काम है। इससे नियर टर्म में उनका कैपेक्स बढ़ जाएगा और उनकी ऑपरेटिंग कॉस्ट में परमानेंट बढ़ोतरी होगी। पंजाब ड्रग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन का कहना है कि इससे एनएलईएम में शामिल जरूरी दवाओं को बनाना मुश्किल हो जाएगा। नए नियमों के कारण इन दवाओं को बनाने की लागत उनकी सीलिंग प्राइस से ऊपर चली जाएगी।

खेल/प्राणायाम/अरोग्य

आईसीसी ने अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 के लिए की मैच अधिकारियों की घोषणा

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 के लिए नियुक्त मैच अधिकारियों की सूची घोषित कर दी है। इस टूर्नामेंट का आयोजन 19 जनवरी से 11 फरवरी तक दक्षिण अफ्रीका में किया जाएगा। टूर्नामेंट के संचालन के लिए 16 अंपायरों और चार मैच रेफरी के एक अनुभवी रोस्टर का चयन किया गया है, जो कुल 41 मैचों की देखरेख करेगा। शुरुआती ग्रुप स्टेज मुकाबलों के लिए भी मैच आधिकारियों की पुष्टि की गई है, जिसमें 19 जनवरी को पोटचेफस्ट्रूम में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के बीच शुरुआती मैच की जिम्मेदारी संभालने वाली एक कुशल टीम शामिल है। मैच के लिए मैदानी अंपायर रोलैंड ब्लैक (आयरलैंड) और गाजी सोहेल (बांग्लादेश) होंगे। श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ग्रीम लेब्रॉय इस मुकाबले के लिए मैच रेफरी होंगे, इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में यह उनकी छठी उपस्थिति होगी। मैच के तीसरे अंपायर पाकिस्तान के राशिद रियाज वकार और चौथे अंपायर के रूप में अफगानिस्तान के बिस्मिल्लाह जान शिनवारी होंगे। अगले दिन, 20 जनवरी को ब्लोमफोंटेन में गत चैंपियन भारत का बांग्लादेश के खिलाफ आमना-सामना होगा। ऑस्ट्रेलिया के डोनोवन कोच और वेस्टइंडीज के निगेल डुगुइड उस मैच की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि जिम्बाब्वे के लैंगटन रुसेरे चौथे अंपायर के रूप में, और दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी अल्लाहुद्दीन पालेकर टीवी अंपायर और शैद वाडवल्ला मैच रेफरी के रूप में होंगे। पालेकर और बोंगानी जेले अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में उपस्थित होने वाले मेजबान देश के अंपायर होंगे। दोनों ने एक दशक से अधिक लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का आनंद लिया है। जेले में भारत के के.एन.ए पद्मनाभन के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच ईस्ट लंदन मैच के लिए ऑन-फील्ड अंपायर होंगे। भारत के नारायणन कुट्टी मुकाबले के लिए मैच रेफरी होंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के फिल गिलेस्पी और जिम्बाब्वे के फोर्स्टर मुतिज़्वा क्रमशः टीवी अंपायर और चौथे अंपायर होंगे। श्रीलंका और जिम्बाब्वे 21 जनवरी को किम्बर्ली में पहला मैच खेलेंगे। मैदान पर माइक बर्न्स और पैट्रिक गस्टर्ड अंपायरिंग करेंगे, जबकि बांग्लादेश के मसूदुर रहमान मुकुल टीवी अंपायर की भूमिका निभाएंगे, पाकिस्तान के फैसल खान अफरीदी चौथे अंपायर और इंग्लैंड के वेन नून मैच रेफरी होंगे।

सर्दियों में सेहत के साथ विटामिन सी का अच्छा स्रोत है आंवला

मामूली सा दिखने वाला आंवला सेहत का खजाना है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। कई राज्यों में इसे 'आंवला की' के नाम से भी जाना जाता है। आंवला विटामिन ष्ट का अच्छा स्रोत है। ज्यादातर आयुर्वेदिक दवाइयों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। आंवला में विटामिन्स के अलावा, फाइबर, फोलेट, एंटी-ऑक्सिडेंट्स, फॉस्फोरस, आयरन, कार्ब्स, ओमेगा 3, मैग्निशियम और कैल्शियमपाया जाता है। इतने सारे पोषक तत्वों से भरपूर आंवले के इन 6 फायदों से आप अब तक अनजान होंगेज

विटामिन सी का लाभ

आंवला में विटामिन सी काफी मात्रा में होता है. ऐसे में अगर कोई हर रोज आंवला का सेवन कर रहा है तो इससे दिल की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है. आंवला में मौजूद विटामिन सी एथेरोस्क्लेरोसिस जैसी बीमारी को भी शरीर से दूर रखता है जिसमें ब्लड वेसल्स में फैट, कोलेस्ट्रॉल जैसे गंदे पदार्थ जमा होने लगते हैं.

ब्लड शुगर के लिए भी फायदेमंद

आंवला में क्रोमियम भी पाया जाता है जिसके सेवन से ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है. डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला का सेवन भी काफी फायदेमंद है.

मुंहासों को दूर भगाए

आंवला में ऐसे तत्व हैं, जिनमें खून साफ करने के गुण होते हैं. इसका लाभ चेहरे पर होने वाले मुहांसों की समस्या को दूर करने में मिलता है. इंसान की त्वचा ना सिर्फ बेदाग बल्कि चमकदार भी होती है.

मुंह के छालों की समस्या से दिलाए निजात

आंवला उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है जो मुंह के छालों से परेशान रहते हैं. ऐसे लोगों को आंवला के जूस का सेवन करना चाहिए. साथ ही आंवला का सेवन दांत और मसूड़ों को भी मजबूत बनाता है.

इम्यून सिस्टम के लिए असरदार

आंवला शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए रामबाण इलाज है. इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो इम्युनिटी बढ़ाता है. सर्दियों में आंवले का सेवन सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है.

सर्दियों में कोमल व खूबसूरत स्किन के लिए फोलों करें ये टिप्स

आज के समय में हर कोई कोमल व खूबसूरत स्किन चाहता है, लेकिन मौसम में बदलाव होते ही कई तरह की स्किन समस्याएं होने लगती हैं, जिसके चलते खूबसूरत दिखने की चाहत सभी की पूरी नहीं हो पाती. फिलहाल सर्दी का मौसम चल रहा है और ऐसे में त्वचा की देखभाल बहुत जरूरी है, क्योंकि सर्दी आपकी त्वचा पर कहर बरपा सकती है, जिससे यह शुष्क, खुजलीदार और चिड़चिड़ी हो जाती है. स्किन एक्सपर्ट्स बताते हैं कि बाहर की ठंड और धुंध की स्थिति आपकी त्वचा को बीमार बना सकती है, वहीं इनडोर गर्मी हवा से और आपकी त्वचा से नमी को सोख लेती है. यही वजह है कि ठंड के मौसम के लिए आपको अपनी स्किन को हेल्दी और चमकदार बनाए रखने के लिए कुछ टिप्स को अपनाना चाहिए. अलग-अलग मौसमों में अलग-अलग स्किन केयर रूल होते हैं. नीचे जानिए सर्दियों के मौसम में कैसा होना चाहिए आपका स्किन केयर रूटीन

1. डेली स्किन केयर रूटीन बनाएं *अपनी त्वचा को दिन में एक या दो बार साफ करें. सुबह के समय और सोने से पहले चेहरे को साफ करें. सुबह अपना चेहरा धोने के बाद नमी को बंद करने के लिए दिन में एक हल्का मॉइस्चराइजर का पालन करें. रात में एक भारी मॉइस्चराइजर या रात भर क्रीम का प्रयोग करें. इसे नम छिद्रों और त्वचा पर निष्पादित किया जाना चाहि, क्योंकि केवल धोए गए छिद्र और त्वचा नमी को बेहतर ढंग से अवशोषित करती है.*

2. गुनगुने पानी का उपयोग *हम देखते हैं कि जब भी तापमान गिरता है, तो गर्म स्नान करना बेहद लुभावना होता है, हालांकि अगर आप अपनी त्वचा की परवाह करते हैं, तो आपको इनसे बचना चाहिए. इसके बजाय चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं. गर्म पानी से नहाने से आपकी त्वचा जल्दी सूख जाती है और अगर आप इसे तुरंत मॉइस्चराइज नहीं करते तो आपकी त्वचा में दरारें और सर्दियों में एक्जिमा हो सकता है.*

3. स्किनकेयर प्रोडक्ट्स को सावधानी से चुनना चाहिए- *कोमल स्किन केयर प्रोडक्ट्स का उपयोग हेल्दी, चमकती सर्दियों की त्वचा का राज कहलाता है. स्किन की प्राकृतिक नमी बनाए रखने के लिए आपको ऐसे क्लीन्जर का उपयोग करना चाहिए, जिसमें मॉइस्चराइजर हो. अगर चेहरे पर मुंहासे या ब्रेकआउट हैं, तो आप सीरम और ग्लिसरीन वाले प्रोडक्ट्स का उपयोग करें.*

4. हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी- *हेल्दी स्किन चाहिए तो सर्दियों में हाइड्रेटेड रहें. क्योंकि इस मौसम में चाहे अंदर हो या बाहर, हवा शुष्क होती है. नतीजतन पानी आपके शरीर से जल्दी वाष्पित हो जाता है. इसलिए आपको अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखना चाहिए. आप ह्यूमिडिफायर लगाकर भी अपने घर में नमी को नियंत्रित कर सकते हैं, यह निस्संदेह आपकी त्वचा को खुश रखेगा.*

डॉक्टर रश्मि सिंह के मुख्य आतिथ्य में नव स्नेहल टी -10 क्रिकेट टूर्नामेंट किया गया शुभारंभ

सहिजना कोठार एवं खेरिया कोठार के बीच में हुआ मैच

सतना, सतना के नागौद विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत सहिजना उबारी में नव स्नेहल ग्रामीण विकास समिति द्वारा आयोजित स्व. श्री स्वामीदीन सिंह एवं स्व. श्री श्याम सुन्दर सिंह जी की स्मृति में नव स्नेहल टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती डॉ. रश्मि सिंह के कर कमलो द्वारा किया गया ! साथ डॉ. रश्मि सिंह जी द्वारा सभी खिलाड़िओ का परिचय लिया गया, उन्होंने अपने उदबोधन में ग्रामीण आँचल में खेलों को ज़्यादा से ज़्यादा बढ़ावा देने एवं युवा पीढ़ी को अच्छी शिक्षा और आगे बढ़ने का मंत्र दिया। टूर्नामेंट का आगाज़ ग्राम सहिजना कोठार और ग्राम खेरिया कोठार के बीच टी-10 क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमे खेरिया कोठार के टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला लिया, सहिजना कोठार की टीम ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 77 रनो का लक्ष्य दिया, लक्ष्य का पीछा करते हुए खेरिया कोठार की टीम बेहद ही रोमांचक पूर्ण मैच में 10 रनो से मैच हार गयी, सहिजना कोठार के दीपांशु के हरफनमौला प्रदर्शन की वजह से उनको मैन ऑफ़ दा मैच का अवार्ड मिला. नव स्नेहल टी -10 क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच को सफल बनाने में समिति संस्थापक व सयोंजक बरुणेन्द्र सिंह एवं सह संस्थापक व सचिव विख्यात सिंह सदस्य दीपेंद्र, विपिन, प्रमोद, दादूराम, बलमेंद्र, अभय, जयनेन्द्र, वीरेंद्र, कुलदीप, योगेश, दादूराम, संदीप, विनीत, पंकज, रामभान, अशोक, रत्नेश, विजय, राणा, दिवाकर, विनोद, रितुराज, सोनू, राजकुमार, अरविन्द्र, करन, शिवम, अमन, देवेंद्र, कमलेन्द्र आदि का सराहनीय योगदान रहा। प्रमुख रूप से संध्या पटेल जनपद सदस्य, सरपंच श्यामू सिंह, बद्री सिंह, दिनेश सिंह, देवेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, राम नारायण गौतम, राज कुमार सिंह, दीपेंद्र सिंह, वरुनेन्द् सिंह, विख्यात सिंह, विद्या सिंह, गुड्डन सिंह, संगीता सिंह, रैगांव विधानसभा युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा आदि उपस्थित रहें।

मैहर ग्राम पिपरा बरबंड में विद्यालय पूर्ण क्षतिग्रस्त, कभी भी हो सकती है छात्रों के साथ बड़ी घटना

मैहर, मैहर जनपद शिक्षा केंद्र के अधिकारी बेपरवाह सो रहे कुंभकर्णी नींद शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौपट, हरिजन बस्ती के माध्यमिक विद्यालय में लिखने के लिए ग्रीन बोर्ड की जगह दरवाजे पे लिखकर बच्चो को पढ़ाने के लिए मजबूर टीचर, पूरे विद्यालय की छत जर्जर किसी भी वक्त गिर सकती है छत, बच्चे दहशत के साए में पढ़ने को मजबूर तो वही प्राथमिक शाला पिपरा बरबंड की प्राथमिक शाला में विद्यालय प्रभारी श्री बीरेंद्र त्रिपाठी द्वारा विद्यालय में देरी से आने की लापरवाही आई सामने।दोनो विद्यालय के मध्यान्ह भोजन के संचालक मीनू के आधार पर बच्चो को नही परोसते भोजन और रसोइयो द्वारा नही धुली जाती थालिया, छोटे छोटे बच्चो ने स्पष्ट कहा की थाली हम धोते हैं। हैरान कर देने वाली तस्वीर यह है की मैहर जनपद शिक्षा केंद्र में लाखो रुपए की तनख्वाह लेने वाले अधिकारी आखिर ऐसी जर्जर विद्यालय को लेकर गम्भीर क्यों नही अगर नही है तो ये मैहर ऑफिस में बैठ कर कुर्सियां क्यों तोड़ रहे है और सरकारी खजाने को चूना लगा रहे हैं। मैहर विधायक, मैहर कलेक्टर, एसडीएम और जनपद सीईओ मामले को गंभीरता से लेकर इन विभागीय अधिकारियों के उदासीन रवैए पर करे कड़ी कार्यवाही और जर्जर भवन की मरम्मत एवम नवीन विद्यालय भवन निर्माण कार्य करने मे तत्परता दिखाये अन्यथा कभी भी छोटे छोटे बच्चो के साथ हो सकता है बड़ा हादसा जिसकी समस्त जवाबदेही मैहर के शिक्षा विभाग में बैठे लापरवाह और संवेदनहीन अधिकारियो की होगी।

बजरंग दल टिकरिया व पवई के कार्यकर्ताओं ने फिर बैलों से भरे(ट्रक) कंटेनर को पकड़वाया

पन्ना, आपको बता दें कि आज दिनाँक-09 /01 /24 को लगभग 10 बजे रात्रि को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना प्राप्त हुई कि कलकत्ता का एक कन्टेनर बिसानी के जंगल मे बैल लोड होकर कटनी की तरफ जा रहा तभी पवई से जिला संयोजक बजरंग दल से रंजीत सिंह जी व मंकु श्रीवास्तव, बिसानी से सुमित तिवारी, लाखन सिंह व टिकरिया बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने टिकरिया ढाबा के पास पकड़कर पुलिस को सूचना दी जो गाड़ी क्रमांक चरु34च 1384 ड्राईवर अयूब गुल सेख ड्राइवर कंटेनर में करीब 100 नग के लगभग बैल भरकर केरला जा रहा था तभी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने ट्रक को पकड़वाया कन्टेनर लोड कराने बाला रसीद खान और शरीफ खान बोरी महेबा का है जिसने लोड कराई बो लोग अपनी लाल कलर बोलेरो गाड़ी में आये और लोड करवा कर भाग गए ड्राइबर अयूब खान ने बताया कि इसके पहले एक कल भी गाड़ी बैल लोड होकर गई है। क्या इन गौ तस्करों पर लगाम लगा पाएगी पुलिस व प्रशासन आधा घंटे बाद मौके पर पहुंची पुलिस में शाहनगर से डायल 100 में दिनेश सिंह यादव व रविन्द्र सिंह पुलिस सहित थाना प्रभारी सुरेश पांडेय व ह्यद्व अबध सिंह मौके पर पहुंच कर अग्रिम कारवाही कर कन्टेनर को गौ सदन पवई भेज दिया गया जहाँ पर कन्टेनर से बैलों को उतरवाया जाएगा।

शिव लघु रुद्र अभिषेक हवनात्मक, पाठ्यात्मक क्रियात्मक अनुष्ठान संपन्न

धार/देदला - श्री कष्टभंजन सरकार देदला धाम की पावन धरा पर ट्रस्ट संस्थान चतुर्भुज श्री राम मंदिर मांडव के तत्वाधान में महामंडलेश्वर डॉक्टर नरसिंह दास जी महाराज पीठाधीश्वर चतुर्भुज श्री राम मंदिर मांडव के सानिध्य अष्टमुखी पशुपतिनाथ तीन फीट पार्थिव शिवलिंग निर्मित कर शिव लघु रुद्र अभिषेक हवनात्मक,पाठ्यात्मक , क्रियात्मक अनुष्ठान भौम प्रदोष के पावन अवसर पर बृहद रूप से प्रातः 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक श्री शुभम जी त्रिवेदी जी के आचार्यत्व मे विद्या धाम इंदौर से पधारे विद्वत जनों द्वारा संपन्न किया गया जिसमें कड़कड़ हनुमान मंदिर नालछा के महंत श्री मदन शरण दास जी महाराज, मोनी बाबा आश्रम महंत जीवन दास जी महाराज , चतुर्भज श्री राम मंदिर मांडव के पुजारी श्री महेंद्र जी शर्मा श्री गोपाल जी वैष्णव, संस्थान के सहसचिव एवं प्रवक्ता श्री परमानंद जी विश्वकर्मा,न्यासी श्री लक्ष्मी नारायण जी पटेल रानीपुरा, श्री लक्ष्मी नारायण जी पाटीदार लबरावदा एवम बड़ी संख्या में ग्रामीण जन, व मातृशक्ति सम्मिलित हुई

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में संचालित योजनाएं देशवासियों के खुशहाल और स्वस्थ जीवन का मार्ग प्रशस्त करती हैं-मुख्यमंत्री

छतरपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाड़ली बहनों को मकर संक्रांति पर जारी की जा रही राशि का उपयोग वे अपने परिवार को आगे बढ़ाने तथा सबको साथ लेकर चलते हुए परिवार के सभी सदस्यों के हित में करें। यह राशि राज्य सरकार की ओर से इसी उद्देश्य से उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रदेश की एक करोड़ 29 लाख बहनों के खातों में 1576.61 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से अंतरित करने के अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में छतरपुर जिले के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर संदीप जी.आर., महिला एवं बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, लाड़ली बहनें एवं पेंशन प्राप्त कर रहे हितग्राही वर्चुअली जुड़े रहे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले की पंचायतों एवं निकायों के वार्ड में दिखाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 से 15 जनवरी तक चलने वाले मकर संक्रांति उत्सव का शुभारंभ भी किया। यह उत्सव महिला सशक्तिकरण एवं युवा ऊर्जा पर केन्द्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 56 लाख से अधिक हितग्राहियों को 341 करोड़ की पेंशन और आर्थिक सहायता का अंतरण भी सिंगल क्लिक से किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने महिला, किसान, युवा और गरीब इन चार जातियों के उत्थान पर बल दिया है। राज्य सरकार इन सभी के उत्थान व सशक्तिकरण के संकल्पित है। उनके द्वारा बनाई और क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाएं सभी देशवासियों के खुशहाल और स्वस्थ जीवन का मार्ग प्रशस्त करती हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दृष्टि और प्रबंधन के पड़ोसी देश भी प्रशंसक हैं।

राजनाथ सिंह ने ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक से की मुलाकात

रक्षा, व्यापार समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

इंटरनेशनल डेस्क: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां 10 डाउनिंग स्ट्रीट में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात कर विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात की जानकारी रखने वाले वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार वार्ता के एजेंडे में रक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय मुद्दे शामिल थे। इसके अलावा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की गई। सिंह ने सुनक के अलावा, विदेश मंत्री डेविड कैमरन से विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय में मुलाकात की। सिंह ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन के साथ भारत-ब्रिटेन संबंधों को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के बारे में व्यावहारिक विचार-विमर्श किया गया। दो उच्च स्तरीय बैठकों के बाद सिंह ने अपने समकक्ष ग्रांट शाप्स के साथ ब्रिटेन-भारत रक्षा उद्योग के सीईओ के गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिटेन के साथ सह-निर्माण पर केंद्रित एक समृद्ध रक्षा साझेदारी की कल्पना करता है। गोलमेज बैठक में ब्रिटेन के रक्षा उद्योग के कई मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के अधिकारी, ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद (यूकेआईबीसी) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

घरेलू विवाद को लेकर खूनी खेल

पाकिस्तान में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बच्चों और महिलाओं समेत एक परिवार के 11 सदस्य अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शव खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले के तख्ती खेल शहर में स्थित एक घर में मिले। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घटना से संबंधित सबूत इकट्ठा करने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी। स्थानीय पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इन लोगों की मौत दो दिन पहले विषाक्त पदार्थ मिला भोजन खाने से हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के एक रिश्तेदार ने कथित तौर पर दो दिन पहले वजीरिस्तान से भोजन खरीदा था। वहीं, स्थानीय सूत्रों ने दावा किया कि किसी घरेलू विवाद के कारण यह घटना हुई है। प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरशद हुसैन ने पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए।

वॉशिंगटन रिपब्लिकन पार्टी में कम हुई ट्रंप की चुनौती!

इस आलोचक ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से नाम वापस लिया

वॉशिंगटन –अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए रेस दिलचस्प होती जा रही है। खासकर विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी में, जहां पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लोकप्रियता के मामले में लगातार बाकी उम्मीदवारों पर बढ़त बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप डेमोक्रेट पार्टी और राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए बड़ी चुनौती बनेंगे। इस बीच रिपब्लिकन पार्टी में उनके आलोचक क्रिस क्रिस्टी ने प्राथमिक चुनावों से पहले ही राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटने का एलान कर दिया है। न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी के इस फैसले के बाद रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से एक बार फिर राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप की दावेदारी मजबूत हुई है। क्रिस्टी ने समर्थकों को अपने इस फैसले की वजह बताते हुए कहा, यह साफ हो चुका कि मेरे पास रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए नामित होने का कोई रास्ता नहीं है। इसलिए मैं राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी का अभियान वापस लेता हूं।

फेसबुक-इंस्टाग्राम के फीड में आत्महत्या से जुड़े पोस्ट किशोरों से छिपाएगा मेटा, आलोचकों ने बताया चाल

सेन फ्रांसिस्को– सोशल मीडिया कंपनियों के समूह मेटा ने बताया कि इसके दो अहम सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम और फेसबुक के फीड में आत्महत्या, खुद को नुकसान पहुंचाने और खाने के विकारों से जुड़े पोस्ट किशोरों से छिपाए जाएंगे। मेटा की घोषणा तब आई है, जब कंपनी को दर्जनों अमेरिकी राज्यों में इस तरह के मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें इंस्टाग्राम और फेसबुक पर आरोप है कि वह इन मंचों से युवाओं को नुकसान पहुंचा रही है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य संकट खड़ा हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि मेटा ने यह चाल चली है, लेकिन इसका खास फायदा नहीं होगा। बच्चों के ऑनलाइन वकालत समूह फेयरप्ले के कार्यकारी निदेशक जोश गोलिन कहते हैं कि मेटा की तरफ से की गई घोषणा कानूनों से बचने का एक और हताशा भरा प्रयास है। जबकि कई माता-पिता इस मंच पर जहरीली सामग्री के चलते अपने बच्चे खो चुके हैं। सही उम्र दर्ज करने वालों को दूर रखने का प्रयास मेटा ने कहा कि जो किशोर उपयोगकर्ता इंस्टाग्राम या फेसबुक पर साइन अप करते समय अपनी सही उम्र दर्ज करते हैं, उनके खातों को प्लेटफॉर्म के उम्र के लिहाज से संवेदनशील, हानिकारक और अनुपयुक्त सामग्री से दूर रखने का प्रयास किया जाता है। मेटा ने ब्लॉग में कहा कि समाज के लिहाज से यह अहम बात है कि ऐसे मुद्दों पर बात की जाए, लेकिन यह एक जटिल विषय है। लिहाजा, जरूरी नहीं कि यह सभी युवाओं के लिए उपयुक्त हो। ऐसे में इंस्टाग्राम और फेसबुक पर किशोरों से इस प्रकार की सामग्री को दूर रखने का प्रयास किया जाएगा।

क्या एक्स पर आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ नरमी दिखा रहे एलन मस्क?

कैनबरा-दिग्गज कारोबारी एलन मस्क क्या अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ नरम रुख अपना रहे हैं? दरअसल एक ताजा रिपोर्ट इस ओर इशारा कर रही है। ऑस्ट्रेलिया के ऑनलाइन वाचडॉग ई-सेफ्टी कमीशन ने गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स ने आपत्तिजनक कंटेंट को रोकने के लिए जिम्मेदार अपने स्टाफ में से दुनियाभर में 1000 से ज्यादा लोगों की कमी की है। क्या है रिपोर्ट में

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टाफ में कमी और हजारों प्रतिबंधित अकाउंट को बहाल करने की वजह से ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हानिकारक कंटेंट का तूफान आ गया है। ई-सेफ्टी कमीशन का कहना है कि एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, को जब से एलन मस्क ने अधिग्रहण किया है, तब से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नफरत को बढ़ावा देने वाले कंटेंट में उछाल आया है। ई-सेफ्टी कमीशन की कमिश्नर जूली इनमान ग्रांट ने बताया कि पहली बार इन आंकड़ों को सार्वजनिक किया गया है। गौरतलब है कि जूली इनमान ग्रांट ट्विटर की पूर्व कर्मचारी भी रह चुकी हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अक्तूबर 2022 के बाद से करीब 1213 ट्रस्ट एंड सेफ्टी स्टाफ, जिनमें कॉन्ट्रैक्टर्स भी शामिल हैं, एक्स को छोड़ चुके हैं।

क्यूबा में ईंधन के दाम 500% बढ़े

तेल के लिए लंबी कतारें गैसोलीन के दाम 5 गुना बढ़े

हवाना –क्यूबा में सरकार ने मुद्रा स्फीति के खतरनाक स्तर तक बढ़ने के चलते ईंधन पर 500 प्रतिशत तक दाम बढ़ा दिए हैं। इसे देखते हुए देश के गैस स्टेशनों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। क्यूबावासी पहले ही मुद्रा स्फीति के बोझ से दबे हैं, ऐसे में ईंधन की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर वे परेशान हैं। ईंधन केंद्रों पर तेल भराने के लिए लगी लंबी लाइनों में झगड़े भी बढ़ गए हैं। नकदी की कमी से जूझ रहे कम्युनिस्ट द्वीप के प्रशासन ने अपने बजट घाटे को कम करने के मकसद से उठाए कदमों की एक श्रृंखला के तहत एक फरवरी से ईंधन के दामों में पांच गुना वृद्धि की घोषणा की है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक लीटर मानक गैसोलीन की कीमत अब 25 पेसोस (स्थानीय मुद्रा) के बजाय 132 पेसोस होगी, जबकि एक लीटर प्रीमियम ईंधन की कीमत 30 के बजाय 156 पेसोस होगी। क्यूबा के टैक्सी चालक 33 वर्षीय जेवियर अर्नेस्टो ने कहा हम कीमतें बढ़ने से पहले ईंधन भरने की कोशिश कर रहे हैं। यह बड़ी वृद्धि है और मुझे लगता है कि इसके बाद हमारे लिए समय कठिन होने वाला है। कम्युनिस्ट संचालित सरकार का कहना है कि यह उपाय घाटे के खर्च को नियंत्रित करने और भोजन, दवा और आयात के लिए धन जुटाने के लिए आवश्यक है। वस्तुओं-सेवाओं की लागत आसमान पर...मौजूदा नकदी संकट ने क्यूबा को हिलाकर रख दिया है। यहां के निवासी जीवित रहने के लिए सरकारी सब्सिडी पर निर्भर हैं। लेकिन मुद्रास्फीति में इस बढ़ोतरी के चलते अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं की लागत आसमान छू रही है। सरकार ने कहा है कि वह खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाली तरल गैस और शीर्ष स्तर के उपयोगकर्ताओं के लिए बिजली की कीमतें भी बढ़ाएगी। सबसे खराब आर्थिक संकट सरकार ने कहा कि वह 29 सेवा केंद्र खोलेगी जो विशेष रूप से डॉलर में ईंधन के लिए शुल्क लेंगे। दरअसल, 1.1 करोड़ लोगों का देश 1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन के बाद से कोरोना महामारी के कारण बुरी तरह टूट गया है। हाल के वर्षों में अमेरिकी प्रतिबंधों के कड़े होने और अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक कमजोरियों के कारण यहां सबसे खराब आर्थिक संकट है।

अमेरिकी सांसद ने की हिंदू मंदिरों पर हमले की निंदा

वॉशिंगटन– भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने अमेरिका में हिंदू मंदिरों में हुए हालिए हमले की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने कहा कि हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। श्री थानेदार ने कहा, हम इस तरह के डर, हिंदू फोबिया को बर्दाश्त नहीं करेंगे। धर्म प्यार, एक दूसरे की मदद करना और एक दूसरे के लिए अच्छे काम करने के बारे में है और ये हिंदू मंदिरों पर हमले कर रहे हैं। मैं उनकी कड़ी निंदा करता हूं। मैं होमलैंड सेक्यूरिटी कमेटी में काम करता हूं और मैं धार्मिक संगठनों को एकसाथ बेहतर काम करने में मदद करने के लिए अपनी कमेटी के सदस्यों से बात कर रहा हूं। उन्हें अपने धार्मिक संगठकों की रक्षा के लिए आवश्यक धन प्रदान करें। इसके साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार के हिंदू फोबिया से लड़ने के लिए मदद करें। राम मंदिर का उद्घाटन को बताया एतिहासिक भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने वॉशिंगटन डीसी में रामायण अक्रॉस एशिया एंड बियॉन्ड कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात की। इस कार्यक्रम में उन्होंने 22 जनवरी को आयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर भी बात की। उन्होंने राम मंदिर के निर्माण को भारतीयों के लिए गर्व का पल बताया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत ज्यादा मायने रखता है। यह एतिहासिक है और राम मंदिर का निर्माण प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। मैंने तस्वीरें देखीं, यह बहुतशानदार है। रामायण के माध्यम से हम लोगों को एकसाथ लाते हैं। यह एक संस्कृतिक बंधन हौ जो समान विचारधारा वाले लोगों के साथ है। अब हम देखते हैं कि रामायण को 15 विभिन्न देशों और एशिया-प्रशांत देशों में भी सराहा गया है। मेरा जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ है। मैंने रामायण का अध्ययन के साथ श्लोकों को भी पढ़ा है। थाईलैंड के राजदूत भी हुए कार्यक्रम में शामिल अमेरिका में थाईलैंड के राजदूत तनी संग्राट भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का उद्घाटन कई देशों के लोगों के लिए खुशी की बात है। जैसे-जैसे उद्घाटन समारोह का समय नजदीक आ रहा है, लोगों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। थाईलैंड के राजदूत ने कहा, यह न केवल थाईलैंड के लोगों के लिए बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया और एशिया-प्रशांत देशों के लोगों के लिए भी खुशी की बात है। इस कार्यक्रम में अमेरिका में भारत के राजदूत के साथ-साथ अमेरिकी कांग्रेसी जिम बेयर्ड (आर-आईएन), मैक्स मिलर (आर-ओएच), और श्री थानेदार (डी-एमआई) शामिल हुए। बांग्लादेश और गुयाना के प्रमुख दूतावास कर्मचारियों के साथ-साथ कांग्रेसी गेरी कोनोली (डी-वीए) और सांसद सारा जैकब्स (डी-सीए) के कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

रूस को रोका जा सकता है लेकिन कीव को और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की सख्त जरूरत: जेलेंस्की

विलनियस: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने दुनिया को दिखाया है कि रूस की सेना को रोका जा सकता है। उन्होंने 22 महीने महीने से जारी युद्ध में रूस की बड़ी और संसाधनों से पूर्ण सेना के खिलाफ अपने देश के लिए अधिक मदद हासिल करने के उद्देश्य से बाल्टिक देशों की यात्रा शुरू की है। लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के खिलाफ अपनी वायु सुरक्षा को मजबूत करना है और इसे गोला-बारूद की आपूर्ति चाहिए। उन्होंने लिथुआनियाई राष्ट्रपति गिटानस नौसेदा के साथ वार्ता के बाद कहा, हमने साबित किया है कि रूस को रोका जा सकता है, मुकाबला संभव है। उन्होंने कहा, हमें आधुनिक रक्षा प्रणालियों की सख्त जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569